संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 127
पृष्ठ 8
रविवार
25 जनवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सर्दियों में भुनी अलसी...

विचार- थाने में पत्रकार, कटघरे में पत्रकारिता...

खेल- ईशान के दमदार प्रदर्शन से...

बीमारू से भारत के विकास का ग्रोथ इंजन बना यूपी-योगी

यूपी स्थापना दिवस पर सीएम का संदेश

लखनऊ, संवाददाता। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को बध ाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि असीम संभावनाओं का हमारा प्रदेश आज संघर्ष और नीतिगत उदासीनता की बेड़ियों को तोड़ते हुए बीमारू से भारत के विकास का ग्रोथ इंजन बना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को एक वीडियो संदेश में कहा, उत्तर प्रदेश भारत की संस्कृति, साहित्य, संगीत, कला और आध्यामिक चेतना का प्राचीन काल से केंद्र रहा है। अयोध्या की मर्यादा, काशी की शाश्वत चेतना, ब्रज धाम की भक्ति और प्रयागराज की समरसता ने युगों–युगों से भारत की सांस्कृतिक चेतना को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की है। सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को संजोए हुए अमृतकाल में हमारा प्रदेश समावेशी विकास के संकल्प को धरातल पर साकार कर रहा है। दृढ़ संकल्प के साथ हमने कानून व सुशासन का राज स्थापित किया है।ष लेबर रिफॉर्म, एमएसएमई, स्टार्टअप और स्किल डेवलपमेंट जैसे कार्यक्रमों ने प्रदेश को लोकल से ग्लोबल की दिशा में अग्रसर करते हुए बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन किया है। सरकार के महिला सशक्तिकरण के प्रयासों के फलस्वरूप महिलाओं की श्रमबल भागीदारी मेंऐतिहासिक वृद्धि हुई है। मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार और हेल्थ टेक के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुलभ हुई हैं। जल–थल–नभ की अद्भुत कनेक्टिविटी ने व्यापार, पर्यटन और निवेश को नई गति दी है। अयोध्या, काशी और मथुरा से लेकर संभल तक सांस्कृतिक पुनर्जागरण की स्वर्णिम गाथा लिखी जा रही। आज विकसित प्रदेश के संकल्प को दोहराने का समय है। हमारे संयुक्त प्रयासों से यह संकल्प यात्रा निरंतर गतिशील और सिद्धि की ओर अग्रसर रहेगी।इस अवसर पर प्रवासी उत्तर प्रदेश वासियों के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संदेश दिया। उत्तर प्रदेश के मेरे प्रवासी बहनों और भाइयों, विदेश में रहकर अपने परिश्रम, प्रतिभा और मूल्यों के माध्यम से आपने उत्तर प्रदेश और भारत का मान वैश्विक मंच पर बढ़ाया है। हमारी सरकार आपके अनुभव और ज्ञान को प्रदेश की विकास यात्रा से जोड़ने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उत्तर प्रदेश असीम संभावनाओं और अवसरों से भरा हुआ है।

18वां रोजगार मेला- पीएम ने 61 हजार जॉब लेटर बांटे, कहा

युवाओं को नए अवसर मिलें, ये हमारा प्रयास, आज कई स्टार्टअप में महिला डायरेक्टर

नयी दिल्ली, एजेंसी। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 18वें रोजगार मेले के मौके पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देशभर के सरकारी विभागों और संगठनों में नव नियुक्त युवाओं को 61,000 से अधिक नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने युवाओं को अपने कौशल को और मजबूत करने और उपलब्ध रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। यह रोजगार मेला युवाओं को सरकारी सेवाओं में शामिल होने और अपने करियर की नई शुरुआत करने का एक महत्वपूर्ण मौका देता है। देशभर के 45 स्थानों पर रोजगार मेले के माध्यम से चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे।

पीएम मोदी करते हैं, कि भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 4 लाख करोड़ रुपये को पार कर चुका है। वहीं, देश का ऑटोमोबाइल उद्योग भी तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों में शामिल है। वर्ष 2025 में दोपहिया वाहनों की बिक्री 2 करोड़ के आंकड़े को पार कर चुकी है, जो इस क्षेत्र की मजबूत वृद्धि को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं, ष्...पिछले 5–7 वर्षों में जितनी बार भी आप सरकार के संपर्क में आए, चाहे वह सरकारी कार्यालय हो या कोई अन्य माध्यम, जब आपको कोई कठिनाई हुई हो या कोई कमी नजर आई हो, उन सब बातों पर विचार करें। अब यह आपकी जिम्मेदारी है कि जिन चीजों से आपको परेशानी हुई, वे आपके कार्यकाल में किसी और को परेशान न करें। सरकार का हिस्सा होने के नाते, आपको अपने स्तर पर छोटे–छोटे सुधार सुनिश्चित करने होंगे।

होती भाभा ने वैज्ञानिक प्रतिभा को राष्ट्र निर्माण से जोड़ा : हिमंत शर्मा

गुवाहटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने होमी जे. भाभा की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए शनिवार को कहा कि उन्होंने वैज्ञानिक प्रतिभा को राष्ट्र निर्माण के साथ जोड़ा। शर्मा ने कहा कि उनके विचारों ने संस्थानों को आकार दिया, वैज्ञानिकों की पीढ़ियों को प्रेरित किया और भारत की आत्मनिर्भरता की आकांक्षा को मजबूत किया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आधुनिक विज्ञान में भारत की यात्रा उनकी दूरदृष्टि से शुरू हुई। भारत के परमाणु कार्यक्रम के जनक होमी जे भाभा ने वैज्ञानिक प्रतिभा को राष्ट्र निर्माण की दूरदर्शिता के साथ जोड़ा।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''उनके विचारों ने संस्थानों को आकार दिया, वैज्ञानिकों की कई पीढ़ियों को प्रेरित किया और भारत की आत्मनिर्भरता की आकांक्षा को मजबूत किया। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें अत्यंत सम्मान के साथ याद कर रहा हूं।

कुछ लोग ठाकरे का नाम मिटाने की ताक में, मंसूबे सफल नहीं होंगे, पूर्व सीएम धनबल पर भी बोले

मुंबई, एजेंसी। बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव में हार का सामना करने के कुछ दिनों बाद शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) यह सोच रही है कि वह उनकी पार्टी को खत्म कर सकती है, तो यह उसकी बड़ी भूल है। उन्होंने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) केवल एक राजनीतिक पार्टी नहीं, बल्कि एक विचार है। अपने पिता और शिवसेना (अविभाजित) के संस्थापक दिवंगत बाल ठाकरे की जन्मशती के मौके पर शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में उद्धव ठाकरे ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कई लोग ठाकरे नाम को मिटाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ऐसा कभी नहीं हो पाएगा। उद्धव से पहले मंच पर बोलते हुए उनके चचेरे भाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने कहा कि राज्य की राजनीतिक स्थिति श्गुलामों के बाजारश जैसी है। कल्याण–डोंबिवली नगर निगम समेत हाल के निकाय चुनावों को लेकर उन्होंने कहा कि राज्य में श्नीलामीश चल रही है। उद्धव ने कहा, अगर भाजपा यह सोचती है कि वह शिवसेना (यूबीटी) को खत्म कर देगी, तो वह गलत है।

शिवसेना (यूबीटी) कोई पार्टी नहीं, बल्कि एक विचार है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर शिवसेना नहीं होती, तो भाजपा कभी भी बीएमसी या राज्य सरकार के मुख्यालय श्मंत्रालयश के अंदर तक नहीं पहुंच पाती। उनकी यह टिप्पणी 15 जनवरी को हुए बीएमसी चुनाव के बाद आई है। इन चुनावों में भाजपा ने 227 में से 89 सीट पर जीत दर्ज की और सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना (29 सीट) के साथ गठबंधन में भाजपा ने देश की सबसे अमीर नगर निगम पर ठाकरे परिवार का दशकों पुराना नियंत्रण खत्म कर दिया। बीएमसी चुनाव में शिवसेना (यूबीटी)–मनसे गठबंधन ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया।

यूपी भारत की धड़कन और आत्मा..., अमित शाह बोले

15 लाख करोड़ की योजनाएं जमीन पर उतरीं

लखनऊ, संवाददाता। राजध ानी लखनऊ में शनिवार को यूपी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर चलने वाले तीन दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पहुंचे। उन्होंने यहां लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

इस मौके पर अमित शाह ने कहा कि 15 अगस्त 2047 को देश की आजादी का शताब्दी वर्ष होगा। यूपी विकसित उत्तर प्रदेश बनेगा। यूपी भारत की ध ाड़कन और आत्मा है। भारत के विकास का इंजन है, और विकसित भारत का भी इंजन बनेगा। यह श्रीराम, कृष्ण, शिव, बुद्ध की धरती है। प्रेरणा स्थल पर पहली बार आया हूं। यहां तीन महान विभूतियों की मूर्ति लगी है। यह स्थल राष्ट्र की जागृत का स्थल बनेगा। यह दशकों तक देश को दिशा देगा। 65 एकड़ में पहले कूड़े का पहाड़ था। भाजपा सरकार ने कूड़े को कंचन में बदला है।

शाह ने सीएम युवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पांच जिलों को सम्मानित किया। कहा कि सीएम युवा योजना से युवाओं को ऋण देने की व्यवस्था है। अब तक 1.30 लाख युवाओं को करोड़ों का ऋण दिया गया। विध ानसभा चुनाव की बात करते हुए कहा कि मैं 2017 को याद करूंगा। यूपी का घोषणा पत्र बना रहा था। इसमें ओडीओपी को शामिल किया। डबल इंजन सरकार का काम यूपी ही नहीं पूरे देश में फैल गया है। रोजगार का साधन बना है। आज यहां ओडीओपी का मेला लगा है। विश्व प्रसिद्ध स्वादिष्ट व्यंजन पूरी दुनिया को मिलेगा।

इस मौके पर गृहमंत्री ने शुभांशु शुक्ला, अलख पांडेय, सुधांशु सिंह, रश्मि आर्य को सम्मानित किया। कहा कि आज हरिओम पंवार को भी सम्मानित करने का मौका मिला है। इनको लंबे समय से सुनता आया हूं। सरदार पटेल योजना का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह 10 खराब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में काफी उपयोगी होगी। अलग–अलग चरण में इसका काम होगा। यूपी का हर जिला रोजगारयुक्त होगा। देशभर में जाने वाले को यूपी में रोजगार की व्यवस्था होगी। अपने माता–पिता की सेवा करें।

शाह ने आगे कहा पीएम के नेतृत्व में सीएम योगी ने योजनाओं को जमीन पर उतारा।

कोर्ट से ईडी को मिली फटकार, वाड्रा बोले- ये ध्यान भटकाने की साजिश

नयी दिल्ली, एजेंसी। कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा ने शनिवार को कहा कि सरकार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का इस्तेमाल असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए कर रही है। वाड्रा की यह टिप्पणी राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा प्रवर्तन निदेशालय को संजय भंडारी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ दायर पूरक आरोपपत्र पर बहस करने के लिए समय दिए जाने के बाद आई है। रॉबर्ट वाड्रा ने एएनआई से कहा, ष्मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। समय ही सब कुछ बयां करता है। जब भी संसद का सत्र शुरू होने वाला होता है और सरकार से विपक्ष द्वारा उठाए गए असहज सवालों के जवाब देने की उम्मीद की जाती है, तब ईडी का इस्तेमाल असली और संवेदनशील मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए किया जाता है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हथियार डीलर संजय भंडारी से जुड़े ईडी मामले में वाड्रा के खिलाफ पूरक आरोपपत्र दाखिल किया था। अदालत ने मामले से संबंधित अप्राप्य दस्तावेजों की सूची दाखिल न करने पर ईडी को फटकार लगाई। अदालत ने ईडी को अगली सुनवाई की तारीख तक दस्तावेज दाखिल करने का निर्देश दिया है।

ऑपरेशन सिंदूर पर अपने बयान के लिए नहीं मांगूंगा माफी, शशि थरूर बोले- कभी नहीं छोड़ा पार्टी का रुख

कोझिकोड (केरल), एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने संसद में कभी भी पार्टी के रुख का उल्लंघन नहीं किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सैद्धांतिक रूप से उनकी एकमात्र सार्वजनिक असहमति ऑपरेशन सिंदूर को लेकर थी। थरूर केरल लिटरेचर फेस्टिवल में आयोजित एक सत्र के दौरान सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उन्होंने सख्त रुख अपनाया था और वह इस अब भी बिना किसी पछतावे के इस रुख

पर कायम हैं। थरूर को लेकर क्या अटकलें लगाई जा रहीं? उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब इस तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं कि पार्टी नेतृत्व के साथ उनके मतभेद चल रहे हैं। इन अटकलों में यह भी शामिल है कि कोच्चि में हुए एक हालिया कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से उन्हें पर्याप्त महत्व न दिए जाने और राज्य के नेताओं की ओर से कई बार उन्हें किनारे लगाने की कोशिशों से वे नाराज हैं। पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर थरूर ने क्या कहा? अपने रुख को स्पष्ट करते हुए थरूर ने कहा कि एक पर्यवेक्षक और लेखक के रूप में उन्होंने पहलगाम की घटना के बाद एक अखबार में लेख लिखा था। उस लेख में उन्होंने कहा था कि बिना सजा दिए इस मामले को नहीं छोड़ा जाना चाहिए और इसके जवाब में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। पाकिस्तान पर सैन्य कार्रवाई को लेकर क्या बोले? शशि थरूर ने कहा कि भारत का मुख्य ध्यान विकास पर है और उसे पाकिस्तान के साथ लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष में नहीं फंसना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर कार्रवाई हो, तो वह केवल आतंकवादी ठिकानों तक ही सीमित रहनी चाहिए।

किसी को भी हमें राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ाने की जरूरत नहीं, राज्यपाल से विवाद पर भड़के सीएम स्टालिन

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने दावा किया है कि राज्यपाल आरएन रवि विधानसभा के संयुक्त सत्र में कैबिनेट द्वारा मंजूर भाषण को न पढ़कर गवर्नर पद का अपमान कर रहे हैं। शनिवार को तमिलनाडु विधानसभा में सीएम स्टालिन ने राज्यपाल की आलोचना की। हाल ही में तमिलनाडु विधानसभा के संयुक्त सत्र की शुरुआत में राष्ट्रगान न बजाए जाने पर राज्यपाल सत्र को संबोधित किए बिना ही सदन से चले गए थे, जिसे लेकर खूब विवाद हुआ। शनिवार को इस मुद्दे पर बोलते हुए सीएम स्टालिन ने कहा, श्राज्यपाल, सरकार के खिलाफ काम कर रहे हैं। वे बार–बार एक ही मुद्दे पर आपत्ति जताकर सदन से चले जाते हैं। मेरे मन में देश और राष्ट्रगान के प्रति गहरा सम्मान है। किसी को भी हमें राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ाने की जरूरत नहीं है। विधानसभा सत्र की शुरुआत में तमिल थाई वझाथु गाने की परंपरा रही है और सत्र के अंत में राष्ट्रगान गाया जाता है। सीएम ने कहा, श्द्रवड़ियन मॉडल की सरकार की उपलब्धियों के चलते तमिलनाडु का सिर ऊंचा है। तमिलनाडु अन्य राज्यों की तुलना में ज्यादा विकसित हुआ है। इसका कारण हमारी योजनाएं हैं।

`अजित पवार की एनसीपी का शरद पवार की पार्टी के साथ विलय होगा', संजय राउत का बड़ा दावा

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने शनिवार को दावा किया कि एनसीपी के दोनों गुट एक साथ आएंगे और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार जल्द ही महा विकास अघाड़ी गठबंधन में लौट आएंगे, क्योंकि उनका दिल अपने परिवार के साथ है। शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने दावा किया कि सत्ताधारी एनसीपी का शरद पवार के नेतृत्व वाली छब ँच में विलय हो भी गया है, क्योंकि दोनों पार्टियों ने जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में श्घड़ीश चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ा।

संजय राउत ने एनसीपी के विलय का किया दावा

संजय राउत ने कहा, श्हालांकि अजित पवार महायुति का हिस्सा हैं, फिर भी वह महा विकास अघाड़ी से जुड़े हुए हैं। शरद पवार और अजित पवार महा विकास अघाड़ी के हिस्से के रूप में एक साथ आएंगे। अजित पवार दो नावों पर सवार नहीं हो सकते।

अजित पवार जुलाई 2024 में आठ विधायकों के साथ तत्कालीन एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल हो गए थे, जिसके कारण एनसीपी में फूट पड़ गई थी। अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को पार्टी का नाम और श्घड़ीश चुनाव चिन्ह मिला, जबकि शरद पवार के गुट को अब एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के नाम से जाना जाता है। एनसीपी के गुटों ने इस महीने की शुरुआत में पुणे और पिंपरी–चिंचवड़ में नगर निगम चुनावों के लिए गठबंधन किया था और 5 फरवरी को होने वाले नागरिक निकाय चुनावों के तीसरे चरण के लिए भी गठबंधन की घोषणा की है। वे अजित पवार के नेतृत्व वाली पार्टी के घड़ी चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ेंगे।

राउत ने आगे आरोप लगाया कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे बृहन्मुंबई नगर निगम (ठडब) में मेयर पद को लेकर भाजपा से नाराज हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व भी झुकने को तैयार नहीं है।

बीएमसी में महायुति को बहुमत

हाल ही में हुए बीएमसी चुनाव में भाजपा ने 89 सीटें जीतीं और उसकी सहयोगी शिवसेना ने 29 सीटें जीतीं, और 227 सदस्यीय ठडब में महायुति गठबंधन को बहुमत मिला। हालांकि मेयर पद को लेकर दोनों पार्टियों के बीच विवाद होने का दावा किया जा रहा है।

नागपुर से युवक का शव पहुंचने पर मचा कोहराम, ग्रामीणों ने किया थाने का घेराव

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के मदारीपुर गांव निवासी नागेंद्र भारती (21) की नागपुर में जरीपटका थाने के लॉकअप में संदिग्ध दशा में मौत हो गई थी। उसके खिलाफ किशोरी के अपहरण का मुकदमा दर्ज था। उतरांव थाना क्षेत्र के मदारीपुर गांव निवासी नागेंद्र भारती (21) की नागपुर में जरीपटका थाने के लॉकअप में संदिग्ध दशा में मौत हो गई थी। उसके खिलाफ किशोरी के अपहरण का मुकदमा दर्ज था। नागपुर की पुलिस उसे गांव से पकड़कर ले गई थी। मौत के बाद उसका शव जब गांव पहुंचा तो ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। हजारों की संख्या में ग्रामीणों ने शव के साथ थाने का घेराव कर लिया और नारेबाजी करने लगे। हंडिया के सपा विधायक हाकिमलाल बिंद भी ग्रामीणों के समर्थन में पहुंचे। ग्रामीण किशोरी और उसके परिजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और गिरफ्तार करने की मांग पर अड़े हैं।

मदारीपुर गांव के रहने वाले रामजी के पुत्र नागेंद्र कुमार भारती (21) की महाराष्ट्र के नागपुर सिटी के जरीपटका थाना के पुलिस लॉकअप में हुई संदिग्ध मौत को लेकर इलाके में आक्रोश फैल गया। पोस्टमार्टम के बाद रविवार सुबह जैसे ही नागेंद्र का शव गांव पहुंचा, परिवारजनों के साथ सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उतरांव थाने पहुंच गए और जमकर विरोध–प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों और परिजनों की मांग है कि इस मामले में लड़की के पिता, नाबालिग लड़की तथा उसके भाई के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तत्काल गिरफ्तारी की जाए। आक्रोशित लोगों का कहना है कि नगेंद्र की मौत आत्महत्या नहीं बल्कि संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है, जिसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। आक्रोश के बीच ग्रामीणों ने कुछ समय के लिए प्रधानमंत्री सड़क फूलपुरदृसैदाबाद मार्ग को भी जाम कर दिया, जिससे यातायात बाधित रहा। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझाने–बुझाने का प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकारी अपनी मांगों पर अड़े रहे।

बीते 22 जनवरी को महाराष्ट्र पुलिस ने सूचना दी गई थी कि नागेंद्र कुमार ने जारी फटका थाने के लॉकअप में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। नाबालिग लड़की को भगाने के मामले में नागेंद्र वांछित था। महाराष्ट्र पुलिस नागेंद्र को उसके घर से नाबालिग लड़की के साथ बरामद कर नागपुर ले गई थी। बताया गया कि हिरासत में लिए जाने के चौथे दिन युवक का शव लॉकअप में फंदे से लटका मिला। पुलिस हिरासत में युवक की मौत कई सवाल खड़े करती है। यदि युवक निर्दोष था तो उसे न्यायिक प्रक्रिया के तहत पेश किया जाना चाहिए था। परिजनों ने मामले में महाराष्ट्र पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं और उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। वहीं प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने उतरांव थाने के कुछ पुलिसकर्मियों पर गाड़ी तोड़ने और मारपीट करने का भी आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस की ओर से इन आरोपों पर अभी कोई स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

डीएलएड प्रशिक्षण के लिए पहले चरण में 36,396 सीटें आवंटित, 30 जनवरी तक लेना है प्रवेश

प्रयागराज। डीएलएड प्रशिक्षण 2025 के लिए पहले चरण में 36,396 सीटें आवंटित की गई हैं। इसकी ऑनलाइन काउंसलिंग 12 जनवरी से शुरू हुई थी। परीक्षा नियामक प्राधिकारी ने शुक्रवार को पहले चरण का संस्था आवंटन जारी किया। डीएलएड प्रशिक्षण 2025 के लिए पहले चरण में 36,396 सीटें आवंटित की गई हैं। इसकी ऑनलाइन काउंसलिंग 12 जनवरी से शुरू हुई थी। परीक्षा नियामक प्राधिकारी ने शुक्रवार को पहले चरण का संस्था आवंटन जारी किया। इसके तहत अभ्यर्थियों को 30 जनवरी तक प्रवेश लेना है। प्रदेश के 67 जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) की 10,600 सीटों में से 7185 और 3304 निजी एवं अल्पसंख्यक कालेजों की 2,28,900 कुल 2,39,500 सीटों में से 29,211 आवंटित हुई हैं। ऑनलाइन काउंसलिंग 12 से 14 जनवरी तक एक से 20 हजार, 15 से 18 जनवरी तक 20001 से 70 हजार और 19 से 22 जनवरी तक 70001 से 124230 रैंक तक एवं पूर्व में जो अभ्यर्थी विकल्प नहीं भर सकें थे, उन्हें विकल्प देने का मौका दिया गया था। पहले चरण के संस्था आवंटन की प्रक्रिया शुक्रवार को पूरी हो गई। इन अभ्यर्थियों को 30 जनवरी की शाम छह बजे तक आवंटित संस्था में प्रवेश लेना है। दूसरे चरण में पांच से आठ फरवरी तक एक से 124230 रैंक तक के अन्य राज्य के अभ्यर्थी एवं ओबीसी, एससीएसटी तथा विशेष आरक्षण श्रेणी के प्रवेश न पाने वाले यूपी के अभ्यर्थियों को संस्था का विकल्प देने का मौका मिलेगा। इनका आवंटन नौ फरवरी को जारी होगा। दूसरे चरण का प्रवेश 11 से 21 फरवरी की शाम पांच बजे तक होगा। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के उप सचिव वीरेंद्र मणि त्रिपाठी ने बताया कि समीक्षा अधिकारी(आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ)(मुख्य) परीक्षा 2023 के निरस्त 116 अभ्यर्थनों में से 19 अभ्यर्थियों ने अपील की थी। जिनमें से 16 के प्रत्यावेदन में कोई नया तथ्य न मिलने के कारण उसे निरस्त कर दिया गया। समीक्षा अधिकारी(आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ)(मुख्य) परीक्षा 2023 का प्रवेश पत्र आयोग की वेबसाइट पर 23 जनवरी से उपलब्ध है, अभ्यर्थी वहां से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। यह परीक्षा लखनऊ में दो फरवरी को प्रथम सत्र 9रू30 बजे से 11रू30 बजे तथा द्वितीय सत्र में दो से पांच बजे तक और तीन फरवरी को एक सत्र 9रू30 से 12रू30 बजे तक आयोजित होगी। आयोग के उप सचिव वीरेंद्र मणि ने इसके बारे में जानकारी दी।

यूपी रोडवेज की 1089 बसों से 34783 यात्रियों ने किया सफर, मेडिकल चौराहे से वापस हुई बसें

प्रयागराज। वसंत पंचमी के स्नान के बाद श्रद्धालुओं की वापसी के दौरान रोडवेज बसों के संचालन में काफी उलटफेर देखने को मिला। शुक्रवार को ट्रैफिक डायवर्जन के चलते विद्या वाहिनी अस्थायी बस अड्डे पर यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। वसंत पंचमी के स्नान के बाद श्रद्धालुओं की वापसी के दौरान रोडवेज बसों के संचालन में काफी उलटफेर देखने को मिला। शुक्रवार को ट्रैफिक डायवर्जन के चलते विद्या वाहिनी अस्थायी बस अड्डे पर यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। पुलिस द्वारा की गई बैरिकेडिंग के चलते बसें मेडिकल चौराहे के पास ही खड़ी हो गई। इससे भारी अफरा तफरी रही। फिलहाल वसंत पंचमी के मौके पर 1089 बसों से विभिन्न रूटों पर 34783 यात्रियों ने सफर किया। विद्या वाहिनी अस्थायी बस स्टेशन पर तैनात कर्मचारियों ने बताया कि सुबह भीड़ बढ़ने पर पुलिस ने रोडवेज बसों को विद्या वाहिनी मैदान की ओर आने से रोक दिया था। इसके चलते बसें मेडिकल कॉलेज चौराहे से एसआरएन गेट के बीच ही खड़ी रहीं। विद्या वाहिनी मैदान में बसों की कमी पड़ जाने की वजह से यात्रियों को काफी भटकना पड़ा।

नौ महीने पहले इरफान के साथ बक्से का कारीगर बनने चित्रकूट गया था कल्लू

प्रयागराज। चित्रकूट में कारोबारी के 13 वर्षीय बेटे आयुष केसरवानी का अपहरण कर हत्या के मामले में कई खुलासे हुए हैं। पता चला है कि घूरपूर थाना क्षेत्र के उभारी गांव निवासी साहिबे इमाम उर्फ कल्लू करीब नौ महीने पहले इरफान अंसारी के साथ चित्रकूट में बक्से का कारीगर बनने गया था।

चित्रकूट में कारोबारी के 13 वर्षीय बेटे आयुष केसरवानी का अपहरण कर हत्या के मामले में कई खुलासे हुए हैं। पता चला है कि घूरपूर थाना क्षेत्र के उभारी गांव निवासी साहिबे इमाम उर्फ कल्लू करीब नौ महीने पहले इरफान अंसारी के साथ चित्रकूट में बक्से का कारीगर बनने गया था। उसने 23 जुलाई 2020 को उभारी गांव में अब्दुल रज्जाक की लाठी–डंडे से पीटकर हत्या कर दी थी। इसमें कल्लू के अलावा परिवार की महिलाओं समेत अन्य सदस्यों को भी आरोपी बनाया गया था।

हत्या के जुर्म में उसे कई महीने जेल में रहना पड़ा, जहां से वह जमानत पर बाहर आया था। कोर्ट में मामला अभी विचाराधीन है। हत्या से संबंधित वादी शमा बानो सिद्दीकी ने 30 अक्तूबर 2022 को कल्लू की मां अनवरी, बहन चांदनी और एक अन्य व्यक्ति अकबर पर डरा–धमकाकर हत्या का मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाने का आरोप लगाते हुए एनसीआर दर्ज कराई थी। हालांकि, इसके बाद पुलिस रिकॉर्ड में कल्लू पर कोई अपराध दर्ज नहीं हुआ। वहीं, इस घटना की जानकारी होते ही गांव के लोग भी हैरत में पड़ गए।

पुलिस ने इरफान के दो भाइयों को भी उठाया

एनकाउंटर में घायल उभारी गांव निवासी इरफान का पुलिस की निगरानी में एसआरएन में इलाज चल रहा है। उसकी बहन की शादी चित्रकूट के बरगढ़ में हुई है। वहीं, इरफान की शादी कुछ दिन पहले उसके ही गांव उभारी में हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद से वह अपनी बहन की ससुराल बरगढ़ में ही रहकर बक्से की दुकान चलाता है। इरफान के एक और भाई शानू अंसारी भी वहीं अलग मकान बनाकर रहते हैं। उसके भाई इरशाद के अनुसार, भाई शानू को भी पुलिस ने रात में एक बजे घर से उठाया है। इरशाद का आरोप है कि उसके परिवार को इस मामले में बेवजह फंसाया जा रहा है।

घर में प्यार से बेटू कहकर पुकारते थे परिजन

मकसूद अब्बासी के पांच बेटे और दो बेटियों में कल्लू तीसरे नंबर का था। वह परिवार में सभी का दुलारा था। घर में लोग उसे प्यार से बेटू कहकर बुलाते थे। अभी उसकी शादी नहीं हुई थी। कल्लू गांव और आसपास मेहनत मजदूरी कर जीवन यापन कर रहा था। करीब नौ माह पहले बरगढ़ से अपने गांव आए इरफान अंसारी से कल्लू की मुलाकात हुई। इरफान ने उसे अपने साथ चलने का प्रस्ताव रखा। इस पर कल्लू ने घर से पूछकर बताने के कहा और पिता मकसूद अब्बासी से चर्चा किया तो उन्होंने खुशी–खुशी कहा कि इरफान के साथ रहकर हुनरमंद हो जाओगे।

पिता ने एनकाउंटर पर उठाए सवाल

पिता मकसूद अब्बासी ने रोते बिलखते हुए कहा कि बेटा चित्रकूट में बक्सा बनाने का हुनर सीखने गया था लेकिन वह कब फिरौती वाला हुनर सीख गया पता ही नहीं चला। वहीं, कल्लू की मां और बहनों ने उसके द्वारा इतनी बड़ी घटना किए जाने को गलत बताया है और कहा कि उसके खिलाफ साजिश हुई है। पिता ने भी एनकाउंटर पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि उसके बेटे को फर्जी तरीके से मारा गया है।

पांच सौ मीटर की दूरी पर हैं दोनों आरोपियों के घर

घटना में शामिल आरोपी कल्लू और इरफान अंसारी का घर महज 500 मीटर की दूरी पर है। हालांकि, इरफान अंसारी पिछले कई वर्षों से अपनी बहन की ससुराल बरगढ़ में ही रहता था और वहीं पर उसने बक्सा बनाने की दुकान डाल रखी थी। जब भी इरफान घर आता था तो अक्सर कल्लू और इरफान साथ–साथ दिखाई पड़ते थे।

प्रयागराज–बांदा मार्ग पर चक्का जाम

घटना से आक्रोशित लोगों व व्यापारियों ने प्रयागराज–बांदा हाईवे को जाम कर दिया। जिससे आवागमन बाधित हो गया। जाम की स्थिति को देखते हुए शंकरगढ़ पुलिस ने मिश्रा पुरवा नहर पुलिया के पास चित्रकूट की ओर जाने वाले वाहनों को रोक दिया। जिससे करीब चार घंटे तक यातायात ठप रहा। इस जघन्य घटना पर शंकरगढ़ व्यापार मंडल ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद बरगढ़ सहित आसपास के कस्बों में आक्रोश का माहौल बना रहा।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सातवें दिन भी बैठे रहे धरने पर, शिविर के पास रात में देखे गए संदिग्ध

प्रयागराज। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद लगातार सातवें दिन शनिवार को भी धरने पर बैठे हैं। रात में संदिग्ध लोगों के दिखने के बाद शिविर के पास भक्तों ने सीसीटीवी लगा दिया है। आशंका जाहिर की गई है कि प्रशासन उनकी रेकी करा रहा है और कभी कोई अप्रिय घटना को अंजाम दे सकता है। इससे बचने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए हैं। वहीं शकराचार्य अधिकारियों के माफी मांगने तक अपनी जिद पर अड़े हैं।

ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का धरना लगातार सातवें दिन शनिवार को भी जारी है। मौनी अमावस्या पर पालकी से जाकर संगम स्नान करने से रोके जाने के बाद वह त्रिवेणी मार्ग पर अपने शिविर के सामने फुटपाथ पर बैठे हैं। वह अधिकारियों से माफी मांगने की जिद पर अड़े हैं। उनका आरोप है कि उन्हें संगम स्नान करने से रोका गया। उनके साथ चल रहे साधु–संतों और सेवादारों को बाल पकड़कर पुलिस ने घसीटा और बेरहमी से पिटाई की गई। इसके बाद पालकी समेत उनको अगवा कर लिया गया। सादे कपड़ों में आए सिपाहियों ने उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया और उनको जबरन पालकी से नीचे उतारने की कोशिश की। अगर वह नीचे उतरते तो उनके साथ कोई भी अप्रिय घटना हो सकती थी।

शंकराचार्य से मिलने के लिए राजनैतिक, धार्मिक संगठन के लोगों के आने का क्रम जारी है। कांग्रेस, सपा, आम आदमी पार्टी के साथ ही किसान यूनियन और अन्य संगठनों ने शंकराचार्य से मिलकर उन्हें अपना समर्थन दिया है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने शंकराचार्य से फोन पर बातचीत की और घटना पर दुख जताया।विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह भी मिलने पहुंचे हैं। इसके अलावा यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भी शंकराचार्य से अनशन समाप्त करके स्नान करने का आग्रह किया है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की सुरक्षा में कोई चूक न हो इसके लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। शंकराचार्य के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शैलेंद्र योगीराज ने बताया कि रात में कई संदिग्ध शिविर के आसपास देखे गए हैं। इसको देखते हुए भक्तों ने 10 कैमरे लगाए हैं। कहा कि रात में अंधेरे का लाभ उठाकर मेला प्रशासन का कोई कर्मचारी चुपके से नोटिस चस्पा करके चला जाता है। साथ ही रात में शंकराचार्य जी की रेकी भी कराई जा रही है। कोई अप्रिय घटना न हो इससे सुरक्षा के लिए 10 कैमरे लगवाए गए हैं।

योगीराज ने बताया कि कैमरे से सभी आने आने–जाने वालों पर निगरानी रखी जा रही है। सादी कपड़ों में कई खुफिया एजेंसी के लोगों के अलावा प्रदेश व केंद्र की एजेंसियां निगरानी कर रही हैं। ऐसे में कौन आ जा रहा है और क्या कर रहा है इस पर निगरानी रखना जरूरी हो गया है। क्योंकि प्रशासन कब कर दे और फंसाने के लिए कोई साजिश कर दे इससे बचने के लिए कैमरे लगाए गए हैं।

तप... खाक चौक के तपस्वी नगर में धूनी तपस्या, बड़ी संख्या में पंचधूनी साधना में साधु–संत, जानें इसका महत्व

प्रयागराज। प्रयागराज में माघ मेला क्षेत्र स्थित तपस्वी नगर में वसंत पंचमी से पूर्व पंचधूनी (पंचाग्नि तप) साधना की सैकड़ों साधु–संतों में शुरू कर दी है। यह साधना तीन माह तक निरंतर चलेगी। प्रयागराज मेला क्षेत्र स्थित रामानंद मार्ग के तपस्वी नगर, पांटून पुल नंबर एक व संगम नोज के पास सहित करीब दस से अधिक शिविरों में शुक्रवार को वसंत पंचमी से बड़ी संख्या में साधु–संतों ने पंचधूनी (पंचाग्नि तपन) साधना आरंभ कर दी।

अयोध्या के महामंडलेश्वर संत श्रीराम संतोष दास ने बताया कि पंचधूनी साधना गंगा दशहरा तक चलेगी। शास्त्रों में 32 भगवत अपराधों का उल्लेख है, जिनसे बचना हर साधक और भक्त के लिए आवश्यक है। भगवान के शयन काल में परिक्रमा करना, विग्रह के सम्मुख पैर फैलाकर बैठना, ऊंचे आसन पर बैठकर भगवान की पूजा करना, भगवान के सामने ऊंचे स्वर में बोलना या चिल्लाना, विग्रह के सामने किसी को आशीर्वाद देना जैसे कृत्य भगवत अपराध की श्रेणी में आते हैं।

महामंडलेश्वर गोपालदास जी महाराज के अनुसार पंचधूनी साधना का मुख्य उद्देश्य इंद्रियों पर नियंत्रण, आत्मिक शुद्धि और आत्मबोध की प्राप्ति है। माघ मेला क्षेत्र स्थित तपस्वी नगर में वसंत पंचमी से पूर्व पंचधूनी (पंचाग्नि तप) साधना की सैकड़ों साधु–संतों में शुरू कर दी है। यह साधना तीन माह तक निरंतर चलेगी। इस आध्यात्मिक अनुष्ठान के लिए मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, पंजाब और हरियाणा समेत विभिन्न राज्यों के सैकड़ों साधु–संतों मेला क्षेत्र के खाक चौक में डेरा डाल लिया था।

वसंत पंचमी पर 25 स्पेशल संग 600 के पार हो गया ट्रेनों का आंकड़ा

प्रयागराज। वसंत पंचमी पर संगम नगरी में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ को सुरक्षित मंजिल तक पहुंचाने के लिए रेलवे ने इस बार तकनीक और तालमेल का अनूठा उदाहरण पेश किया।

वसंत पंचमी पर संगम नगरी में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ को सुरक्षित मंजिल तक पहुंचाने के लिए रेलवे ने इस बार तकनीक और तालमेल का अनूठा उदाहरण पेश किया। प्रयागराज जंक्शन के अत्याधुनिक कंट्रोल टावर से तीनों रेलवे जोन की लाइव निगरानी की गई।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और स्पेशल ट्रेनों के संचालन से भीड़ प्रबंधन को सुगम बनाया। शुक्रवार को शहर के स्टेशनों से 25 स्पेशल चलाई गई। इसी के साथ मेला अवधि में पहली बार 600 स्पेशल ट्रेन चलाने का भी आंकड़ा पार हो गया। शुक्रवार को स्टेशनों पर यात्रियों का दबाव बढ़ते ही

रेलवे का तकनीकी कवच सक्रिय हो गया। कंट्रोल रूम में लगे कैमरों के एआई सॉफ्टवेयर ने भीड़ का घनत्व बढ़ते ही अलर्ट मैसेज जारी किए। इस दौरान यात्रियों की गिनती कर उन्हें सुरक्षित प्लेटफॉर्म पर भेजा गया। सभी स्टेशनों से ऑन डिमांड ट्रेनों का ही संचालन हुआ।

प्रयाग और रामबाग एवं झूंसी स्टेशन से भी स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं। एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि उत्तर मध्य रेलवे ने 17, उत्तर रेलवे ने तीन एवं पूर्वोत्तर रेलवे ने पांच स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया। इस दौरान पंडित दीन दयाल उपाध्याय रूट के लिए दो, कानपुर रूट के लिए छह, झांसी रूट के लिए चार, अयोध्या रूट के लिए तीन, वाराणसी रूट के लिए दो स्पेशल एनसीआर ने चलाई। सीपीआरओ ने बताया कि माघ मेला अवधि में अब तक 600 से ज्यादा स्पेशल ट्रेन चलाई जा चुकी है। अभी इस संख्या में और इजाफा होने की उम्मीद है।

पायलटों की जान बचाने वाले तीनों जांबाजों को सम्मानित करेगा नगर निगम, मिनी सदन में प्रस्ताव पारित

प्रयागराज। आपात लैंडिंग के दौरान तालाब में गिरे माइक्रोलाइट एयरक्रॉफ्ट के पायलटों की जान बचाने वाले तीनों जांबाज युवकों को प्रयागराज नगर निगम सम्मानित करेगा। महापौर गणेश केसरवानी ने बताया कि 26 जनवरी को तीनों सम्मानित किया जाएगा। साथ ही नौकरी देने के लिए सीएम को पत्र भी लिखा जाएगा।

वायु सेना के पायलटों की जान बचाने वाले युवकों को प्रयागराज नगर निगम सम्मानित करेगा। शनिवार को नगर निगम में हुई मिनी सदन की बैठक में इसका प्रस्ताव पास कर दिया गया। महापौर उमेशचंद्र गणेश केसरवानी ने बताया कि 26 जनवरी को तीनों जांबांजों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बहुत बड़ी बहादुरी का परिचय दिया है। अपनी जान की परवाह न करते हुए देश के जवानों की जान बचाने का कार्य किया है। पार्षद आकाश सोनकर ने पायलटों की जान बचाने वाले पंकज सोनकर को सरकारी नौकरी दिलाने की मांग मिनी सदन की बैठक में उठाई। कहा कि जब तक नौकरी नहीं मिलती तब तक आउट सोर्सिंग पर नगर निगम में नौकरी देने की मांग की। महापौर गणेश केसरवानी ने पंकज के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखने, आउट सोर्सिंग पर नौकरी देने का आश्वासन दिया। इसके अलावा गणतंत्र दिवस पर नगर निगम सदन में सम्मानित करने की बात कही। पार्षद नेम यादव ने दोनों पायलट की जान बचाने में शामिल तीनों नागरिक आलोक यादव, पंकज सोनकर और लाल साहब यादव को सम्मानित करने का प्रस्ताव रखा। महापौर ने तीनों को गणतंत्र दिवस पर सम्मानित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी।

तालाब में गिरा था एयरक्रॉफ्ट

भारतीय वायु सेना का एक टू–सीटर माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट तकनीकी खराबी के कारण बुधवार को अनियंत्रित हो गया। केपी कॉलेज के पीछे जलकुंभी से भरे एक तालाब में इसकी इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई थी। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम में कोई जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों पायलट को तालाब से सुरक्षित निकाला गया था।

माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट एम–116 ने सुबह करीब 11रू30 बजे बमरौली एयरफोर्स स्टेशन (29वीं विंग) से नियमित उड़ान भरी थी। इसे ग्रुप कैप्टन जेके पांडेय और ग्रुप कैप्टन प्रवीण अग्रवाल संचालित कर रहे थे। फाफामऊ में पड़िला एयर फील्ड के बाद संगम का चक्कर लगाकर यह विमान एयरफोर्स स्टेशन लौट रहा था, तभी उसके इंजन में तकनीकी खामी आ गई। इस दौरान दोनों पायलट ने सूझबूझ दिखाई और विमान रिहायशी इलाके से दूर केपी कॉलेज के पीछे स्थित तालाब की ओर मोड़ दिया। दोपहर करीब 12रू15 बजे विमान की आपात लैंडिंग कराई गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोपहर सवा 12 बजे के आसपास आसमान में एक छोटा विमान अचानक लड़खड़ाता हुआ दिखाई दिया। जब तक लोग कुछ समझ पाते, विमान का पैराशूट खुल गया। इसमें से दो पायलट भी कूदते हुए नजर आए।

मुंशी प्रेमचंद की कालजयी कहानी 'बड़े भाई साहब' का नाट्य मंचन

प्रयागराज। संस्था आरंभ रंगमण्डल, प्रयागराज द्वारा प्रसिद्ध साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की लोकप्रिय कहानी 'बड़े भाई साहब' का नाट्य मंचन दिनाँक 24 जनवरी, 2026 को प्रातः 10 बजे, ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, प्रयागराज के सभागार में सम्पन्न किया गया।

नाटक 'बड़े भाई साहब' मात्र दो भाइयों की कहानी नहीं है, बल्कि यह शिक्षा व्यवस्था, उम्र के फासले और मनोवैज्ञानिक दबाव के बीच रिश्तों की बुनावट का एक मार्मिक चित्रण है। नाटक में दिखाया गया है कैसे एक बड़ा भाई अपने छोटे भाई के

लिए आदर्श बनने की चाह में अपना बचपन और खुशियाँ कुर्बान कर देता है। यह प्रस्तुति खेल–कूद बनाम पढ़ाई के बीच फंसे छोटे भाई और जिम्मेदारी के बोझ तले दबे बड़े भाई के बीच का भावनात्मक चित्रण है जिसमें मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखे गए सटीक संवाद, मूल भाषा और मुहावरों को नाटक में अक्षुण्ण रखा गया है। नाटक बड़े भाई साहब दर्शकों को हँसाते हुए अंत में एक गहरी सोच में छोड़ जाता है कि अनुभव की शिक्षा किताबी ज्ञान से कहीं ऊपर होती है।

मंच–पर बड़े भाई की भूमिका में निमिश गुप्ता, छोटे भाई की भूमिका में शिवांक द्विवेदी एवं माँ की भूमिका में आरती चौधरी ने निभाई एवं मंच–परे मंच–व्यवस्था नीलकांत तिवारी द्वारा, वेशभूषा अंकित तिवारी द्वारा,रूप–सज्जा – दिलीप कुमार द्वारा, प्रस्तुति नियंत्रण आर.पी.कसौधन द्वारा, संगीत संयोजन एवं निर्देशन रवींद्र द्वारा किया गया। ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज, प्रयागराज के प्रधानाचार्य श्री विक्रम सिंह परिहार जी ने संस्था के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कलाकरों को शुभकामनाएं दी एवं प्रस्तुति को सभी छात्रों द्वारा खूब पसंद किया गया।

'संस्कार भारती के माघ मेला पंडाल मंच पर कविता की बही रसधारा'

प्रयागराज। आज शुक्रवार को वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर संस्कार भारती के प्रयागराज महानगर इकाई, काशी प्रांत अवलोकन तीर्थ राजु चलो रे के तत्वावधान में एक कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस अवसर पर दीपक शर्मा, प्रेमलता मिश्र, विभव शंकर मिश्र, शम्भुनाथ श्रीवास्तव शम्भु, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, रवींद्र कुशवाहा सहित सभी कवियों ने माँ सरस्वती को पुष्प हार तथा दीप प्रज्ज्वलित किया। सर्वप्रथम माँ वीणा पाणि के सम्मान में कवयित्री नीलिमा मिश्रा ने वंदना पढ़कर कर काव्य सम्मेलन का आगाज किया। इसके बाद सभी कवियों का पुष्पहार और अंगवस्त्रम् से सम्मान किया गया। राजेन्द्र त्रिपाठी मधुकर ने

अध्यक्षता की। इस अवसर पर प्रतापगढ़ से आए शायर गजलकार डाक्टर अशोक अग्रहरि, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान ने पढ़ा–आया सुखद वसंत लो, कलियाँ करें पुकार। /अब मदमाने मन लगा, करने को अभिसार।।

मशहूर कवि कलाकार रवींद्र कुशवाहा ने हिन्दी दिवस के लिए कहा ष्माँ सरस्वती की वरदान है हिन्दीष, कवयित्री रिंकी मिश्रा ने गंगा हमारी मां है मां का सुखद सहारा, अपना नहीं पराया सबको दिया किनारा, काव्य पंक्तियां सुनाकर मां गंगा की महिमा का बखान किया। कवि डॉ. पीयूष मिश्र श्पीयूषश ने हकीकत में इन्हीं आंखों से दुनिया को निहारा है, चढ़ा जब रंग उसका तो जहां का रंग हारा है, आनंद श्रीवास्तव, नवोदित कवयित्री नेहा मिश्रा ने एक शानदार कविता का पाठ किया।

प्रयागराज से पूरे विश्व में पहुंच वाले दिनेश पाण्डेय नजर इलाहाबादी, हृदय नारायण पाण्डेय अंजान, शरत चंद्र श्रीवास्तव सरल, डाक्टर नीलिमा मिश्रा, योगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबंधु, शिवम भगवती आदि ने शानदार काव्य पाठ किया। दर्शकों ने कवियों का जोरदार तालियों से स्वागत किया। कार्यक्रम का शानदार संचालन सुजीत कुमार जायसवाल जीत ने किया।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 06/2026 दिनांक : 22.01.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि मंडल सामग्री प्रबंधक, उ0म0रे0, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्या : 19263228	मात्रा : 600 नग.
विवरण : एल एम एल ए सेकेंडरी सेल 2 वोल्ट 400 ए एच।	
ई.म.डी. रू : 1,23,670	निविदा खुलने की तिथि : 24.02.2026

नोट : 1. उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T.Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्शियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। • उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाईट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 178/26 (AS)

@CPRONCR | North central railways | cpronorly | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

'सार्वजनिक अधिसूचना'

उत्तर मध्य रेलवे के मनौरी एसएसपी स्टेशन के पूर्ण हो चुके खंड पर स्थित रेलवे लाइन और परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि रेलवे लाइन के नीचे दिये हुए खंड में 2x25 केवी मनौरी एसएसपी को 23/02/2026 को या उसके बाद चालू किया जाएगा। इस तिथि से या उसके बाद से चुनार टीएसएस ओवर लाइन को हर समय ऊर्जित माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति उक्त चुनार टीएसएस के पास नहीं जाएगा या उसके आसपास काम नहीं करेगा।

Section: उत्तर मध्य रेलवे के मौजूदा मार्ग पर कानपुर से पंडित दीन दयाल उपाध्याय खंड के बीच गति को 160 किमी प्रति घंटा/200 किमी प्रति घंटा तक बढ़ाने के संबंध में नए 2x25 केवी मनौरी एसएसपी का ऊर्जीकरण।

KM / Location / Chainage From-To

मनौरी एसएसपी 843/20 से मनौरी एसएसपी 843/28 तक

ऊर्जीकरण की तिथि:- 23.02.2026

No. EL/Const/NCR/70 (गणेश कुमार सिंह)
Dated 23.01.2026 उप मुख्य विद्युत अभि0/मुख्य0/पी0यू0
Place - Prayagraj उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR | 191/26(D)

लोकतंत्र और संविधान पर हो रहा हमलाः कमल मित्तल

मुजफ्फरनगर। आज जिला कांग्रेस कमेटी मुजफ्फरनगर के कैंप कार्यालय पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के निर्देशानुसार, प्रसिद्ध स्वतन्त्रता सेनानी, वन्चित, शोषित दलित, पिछड़ों के मसीहा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कर्पूरी ठाकुर की जन्मजयन्ती के अवसर पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन कर उन्हे श्रद्धासुमन अर्पित किए गए ।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष सतपाल कटारिया ने इस अवसर पर कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लगातार जनहित की उपेक्षा कर संविधान को बदलने का काम किया जा रहा है जिसे भारत की जनता स्वीकार नहीं करेगी।

इस अवसर पर राजीव गांधी पंचायत राज संगठन के प्रदेश महासचिव कमल मित्तल ने कहा कि केंद्र सरकार लोकतंत्र एवं संविधान पर लगातार हमले कर रही है। कांग्रेस पार्टी ने

मनरेगा को खत्म किए जाने के खिलाफ देशव्यापी अभियान शुरू किया है। कमल मित्तल ने तीन कृषि कानूनों का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह कड़े विरोध के बाद केंद्र

सरकार को वे कानून वापस लेने पड़े थे, उसी तरह मनरेगा के मामले में भी जनता को आवाज उठानी होगी।

राजीव गांधी पंचायत राज संगठन के प्रदेश महासचिव कमल मित्तल ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित करने की एक श्सुनियोजित साजिश है। देश में लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के अधिकारों पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

राजीव गांधी पंचायत राज संगठन के प्रदेश महासचिव कमल मित्तल मनरेगा यूपीए सरकार का एक दूरदर्शी कानून था, जिसे पूरी दुनिया में सराहा गया, इसका नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखा गया। मनरेगा को खत्म करना महात्मा गांधी का अपमान है। यह काम करने के अधिकार पर सीधा हमला है।उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने बिना किसी अध्ययन, मूल्यांकन या राज्यों और राजनीतिक दलों से सलाह लिए इस कानून को रद्द कर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने ऐसा ही तरीका तीन कृषि कानूनों के साथ अपनाया था। उन्होंने कहा कि मनरेगा को खत्म करने के खिलाफ पूरे देश में कांग्रेस पार्टी आंदोलन कर रही है । उन्होंने कहा कि सरकार के इस फैसले का हर जगह विरोध हो रहा है। इस अवसर पर ज़फ़र महमूद, रिज़वान अहमद , ममनून अंसारी, सद्दाम सिद्दीकी आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

प्राकृतिक नवसर्जना के उल्लास का पर्व है वसन्तः अशोक

प्राकृतिक परिवेश को मादकगंध से अनुरंजित करता है वसन्त

करछना । शीतऋतु की विदाई के साथ गुलाबी घूप से अलंकृत समूची प्रकृति के पोर–पोर में नूतन सर्जना का समावेश करके हमारे प्राकृतिक परिवेश को मादकगंध से अनुरंजित करता पावन वसन्त,उल्लास का आधार पर्व है ।यह बातें क्षेत्र के कटका स्थित केएन.अवस्थी कान्वेंट स्कूल में आयोजित सरस्वती पूजन समारोह के उपरान्त वसन्त के महत्व पर चर्चा करते हुए आकाशवाणी दूरदर्शन के कार्यक्रम संचालक और माटी के गीतों का बदलता लोकरंग विषय पर शोध कर रहे प्रयागराज के चर्चित हास्य कवि अशोक सिंह श्बेशरमश ने कही। उन्होंने कहा कि एक बार फिर पतझड़ के उपरान्त वनवेली,लता,विटप में नयी कोंपलों के साथ,सरसों के पीतपुष्पों पर पराग पान करते तितली–भौरों की टोलियां मदमस्त होकर अनुहार मनुहार की प्रीति परम्परा के रंग से हर्षित हो उठे तो वहीं दूसरी ओर बाग–बाग होती कोयल भी वर्ष भर की तनहाई के बाद वसन्त के आगमन का अभिनन्दन करती,आम्र मंजरियो के बीच अपने आशियाने बनाने को आतुर हो उठती है। सर्दी

के गहबर आक्रमण से आकुल पशु पक्षियों और जन जीवन के लिए एक नई चाह–राह से जोड़ते वसन्त का लोकरंग गांव गलियों,खेतों–सिवानों में भी आलोकित हो उठा। यही वसन्त प्रेम,प्रणय के उद्भव का प्रतीक है तो इसी के आरंभ में गदराई रबी के फसलों की बालियों ने भी झूम–झूम कर अपने उल्लास पर्व का आलिंगन करती हैं। आधा मांगे,कांवर कांधे जैसी हमारे गंवई कहावतों और मान्यताओं को लेकर यहीं से हमारे गीतों का नया लोकरंग भी आरंभ होता है। गांव–गांव मां सरस्वती के पूजा, आराधना के साथ होलिका की सम्मत खड़ी कर महीने भर होलिका लगाने का सिलसिला भी यहीं से शुरू होता है। वसन्त पंचमी के दिन से ही होलिका लगाने की परम्परा हमारे अतीत और पुरखों की अनमोल विरासत है। वसन्त के आरंभ से ही हमारे समाज में प्रथम गीत की भी शुरुआत होती है – बहेली बसन्ती रे उडावै गरदी,मोरी देहिया भयल बाटइ पियरि हरदी। राहों, गलियों, घाटों, झील, ताल,सरोवर, से लेकर समूचे वातावरण में आकर्षण, नया जोश, नयी ऊर्जा का अद्भुत संचार होता है। यहीं से चौपालों में फागुनी गीतों की गूंज का सिलसिला भी शुरू होता है जिसमें उलार, धमार,झूमर,कबीरा,गलियारा, बारहमासा, बैसवारा,नारदी, फाग, दुगुन, चौगुन, बेलवार, बेलवरिया, चहका, डेढ़ताल, ढाईताल, चौताल जैसै मौसमी गीतों की हमारी परम्परा रही है। हमें चाहिए कि वसन्त के आगमन की इस परम्परा,प्रकृति के उल्लास पर्व की नूतन सर्जना के इस आलोक को मां सरस्वती की अर्चना के साथ मन से जीते हुए,अपने वसन्त एवं होली के अद्भुतलोकरंग को जीवन्त रखें।

शिक्षा के क्षेत्र में शोध का विशेष महत्व हैः प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

प्रयागराज। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के गंगानाथ झा परिसर में आयोजित प्राक्–शोध पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस पाठ्यक्रम में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों से आए शोधार्थियों को शोध–विधि, संदर्भ–प्रणाली तथा अकादमिक अनुशासन से संबंधित महत्त्वपूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

इस अवसर पर परिसर के सहनिदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे ने छात्रों को श्रद्धा और मेधा के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि छात्र–जीवन मनुष्य के सम्पूर्ण जीवन की दिशा निर्धारित करने वाला अत्यंत महत्वपूर्ण काल होता है। इसी अवस्था में व्यक्ति के विचार, मूल्य, आचरण तथा बौद्धिक क्षमता का निर्माण होता है। इस निर्माण–प्रक्रिया में श्रद्धा और मेधाकृये दोनों गुण समान रूप से आवश्यक हैं। इनमें से किसी एक का अभाव छात्र के सर्वांगीण विकास को अधूरा बना देता है। उन्होंने छात्रों में सर्जनात्मक गुणों के विकास की आवश्यकता पर भी बल दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे परिसर निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि यह प्राक्–शोध पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में मौलिक एवं गुणवत्तापूर्ण शोध–दृष्टि के विकास में

सहायक सिद्ध होगा तथा भारतीय ज्ञान–परम्परा को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने शोध की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ज्ञान का क्षेत्र निरंतर विस्तारशील है। मानव जिज्ञासा, अनुभव और चिंतन के परिणामस्वरूप नवीन तथ्यों एवं सिद्धान्तों का उद्घाटन होता हैकृऔर इसी सतत ज्ञान–वृद्धि की प्रक्रिया को शोध कहा जाता है। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान युग में, जब समाज, विज्ञान, तकनीक और संस्कृति तीव्र गति से परिवर्तनशील हैं, तब शोध की आवश्यकता और भी अधिक बढ़ गई है। शोध का प्रथम उद्देश्य सत्य की खोज है। यह हमें परम्परागत मान्यताओं का परीक्षण करने, भ्रांतियों को दूर करने तथा तथ्यों को प्रमाणित करने का अवसर प्रदान करता है। शोध के अभाव में ज्ञान स्थिर हो जाता है और समाज प्रगति के मार्ग से विचलित होने लगता है। शोध के माध्यम से ही यह निर्धारित किया जा सकता है कि कौन–सा विचार समयानुकूल, उपयोगी और समाजोपयोगी है। अन्त में सभी को शुभकामनाएं प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन प्राक्–शोध पाठ्यक्रम के संयोजक डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी ने किया। इस अवसर पर समस्त परिसरीय अधिकारी, कर्मचारीगण एवं छात्र–छात्राएँ समुपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: 10320252026 दिनांक: 21.01.2026

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएं निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 16.02.2026 को 13:30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं.: 1	निविदा नं.: 242
कार्य का विवरण: सहायक मंडल इन्जीनियर/उत्तर मध्य रेलवे/चुनार के अधीन चुनार में नये प्लेटफार्म का निर्माण और अन्य सम्बन्धित कार्य।	
अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 6,10,00,287.74	बयाने की रकम (रू): ₹ 4,55,000.00
कार्य समापन की अवधि: 12 माह	निविदा खुलने की तिथि: 16.02.2026
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: सिविल इंजीनियरिंग का कोई कार्य।	

नोट:- (1) आनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि को 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। (2) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। 172/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने कांग्रेस पार्टी से दिया इस्तीफा, यूपी में सियासी हलचल तेज

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस कदम से सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है और कांग्रेस को एक बड़ा झटका माना जा रहा है। नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने पार्टी नेतृत्व को अपना इस्तीफा सौंपते हुए कहा कि वह काफी समय से पार्टी की कार्यशैली और आंतरिक हालात से असहज महसूस कर रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, संगठन में उनकी भूमिका और सुझावों को अपेक्षित महत्व नहीं मिलने से वह नाराज चल रहे थे। हालांकि, उन्होंने सार्वजनिक रूप से किसी व्यक्ति विशेष पर आरोप लगाने से परहेज किया है।

वसन्त का सार

गहरी है यह बात समझकर इसको आना।
मौसम का बदलाव देखकर मत घबराना।
ऋतु वसन्त का सार और कोयल का गाना।
आशा में उत्साह हमेशा लगे सुहाना।
नूतनता की भोर ने पतझर का माने बता।
कहा पत्तियों से लदी दिखती है प्यारी लता।।

जोश और उत्साह चरम पर जब रहता है।
सीमाओं का बन्ध टूटने–सा लगता है।
उथल–पुथल अरु शान्ति व्यवस्था हो जब नूतन।
फूलों की मुस्कान करे तब नर्तन– नर्तन।
मत कह इसको कल्पना यह वासन्तिक दौर है।
पतझर के ही बीच में सुन्दर आमों का बौर है।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

साहित्यकार सत्कारः आपके द्वार योजना में सूरज की आग, कुछ लोग ऐसे भी के ख्यातिलब्ध रचनाकार शिवमूर्ति सिंह को दिया गया साहित्य रत्न सम्मान

प्रयागराज। मौलिक विचार एवं साहित्यिक सर्जना की प्रतिनिधि पत्रिका साहित्यांजलि प्रभा द्वारा प्रवर्तित साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज इस माह का साहित्य रत्न सम्मान वरिष्ठ साहित्यकार शिवमूर्ति सिंह को प्रदान किया गया।

साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज द्वारा अलोपी बाग में आयोजित इस सारस्वत अलंकरण सम्मान समारोह की अध्यक्षता डॉ शंभूनाथ त्रिपाठी अंशुल ने किया और संचालन साहित्यांजलि

प्रभा के सम्पादक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय ने किया। पत्रिका के उप सम्पादक डॉ योगेंद्र कुमार मिश्रा विश्वबंधु ने स्वागत उद्बोधन दिया।

शिव मूर्ति सिंह ने अपनी कविताओं से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया और शंभूनाथ श्रीवास्तव ने बसंत पंचमी पर्व पर आधारित कविता प्रस्तुत किया। सर्व सम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि सम्मानित साहित्यकार बन्धुओं की रचनाओं पर शोध के लिए संबंधित संस्थाओं से निवेदन किया जाएगा और सभी की रचनाओं को विभिन्न स्तर पर पाठ्यक्रम में शामिल होने वाले प्रयास में गतिशीलता बनाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय और डॉ राम लखन चौरसिया वागीश की रचनाओं को विगत दिनों सीबीएसई बोर्ड में शामिल किया गया है।

इस महत्वपूर्ण समारोह में समारोह की अध्यक्षता कर रहे डॉ० शंभूनाथ त्रिपाठी अंशुल जी के साथ साथ डॉ० भगवान प्रसाद उपाध्याय, डॉ० राम लखन चौरसिया वागीश, डॉ० राम सुख यादव, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, रवीन्द्र कुशवाहा, शम्भूनाथ श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से श्री शिव मूर्ति सिंह को अंगवस्त्र प्रतीक चिन्ह एवं सम्मान पत्र प्रदान किया और अपने विचार व्यक्त किए। आभार कवि कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने व्यक्त किया।

नवयुग में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा मनाया गया मतदाता दिवस

लखनऊ। लोकतांत्रिक उत्साह के शानदार प्रदर्शन में, नवयुग कन्या महाविद्यालय में प्राचार्या प्रो. मंजुला उपाध्याय के संरक्षण में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आज दिनांक 24/01/2026 को 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को प्रेरित करना और नागरिकों को राष्ट्र के शासन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका

की याद दिलाना था।

वर्ष 2026 के राष्ट्रीय विषय ष्मेरा भारत, मेरा वोटष और टैगलाइन ष्भारतीय लोकतंत्र के केंद्र में नागरिकष के तहत, इस कार्यक्रम ने लोकतंत्र के ढांचे को मजबूत करने में प्रत्येक वोट के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत मतदाता शपथ के साथ हुई। प्राचार्या प्रो. मंजुला उपाध्याय के नेतृत्व में, छात्राओं, शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों ने 'धर्म, मूलवंश, जाति, समुदाय या भाषा के आधार पर प्रभावित हुए बिना, निर्भीक होकर हर चुनाव में मतदान करने' का संकल्प लिया। उत्तर प्रदेश भारत का एक महत्वपूर्ण प्रदेश है। तत्पश्चात् राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारियों के नेतृत्व में स्वयंसेविकाओं ने मतदाता जागरूकता रैली निकालकर लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया। रैली का नाका हिंडोला से होते हुए महाविद्यालय प्रांगण में सफल समापन हुआ।

इसी क्रम राष्ट्रीय सेवा योजना एक स्लोगन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में जंतु विज्ञान विभाग की श्रीमती विमला बिंद एवं वनस्पति विज्ञान विभाग की डॉ. स्नेहा चौधरी शामिल रहीं। प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार है–

प्रथम – प्रियंका भारती (बी. एड. द्वितीय वर्ष)
द्वितीय– अर्चना प्रजापति (बी. कॉम. द्वितीय वर्ष)
तृतीय – सौम्या मिश्रा (बी. एड. द्वितीय वर्ष)
सांत्वना पुरस्कार– सना कुरैशी (बी. ए. द्वितीय वर्ष)

प्राचार्या ने सभी प्रतिभागियों की प्रशंसा की और इसी प्रकार आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया ।कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. श्वेता उपाध्याय, डॉ मनीषा बड़ौनियाँ, डॉ. चंदन मौर्या एवं सुश्री दीक्षा तथा सभी स्वयंसेविकायें उपस्थिति रहीं। कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम के साथ हुआ।

सम्पादकीय.....

संघीय ढांचे पर आंच

भारतीय लोकतंत्र के केंद्र में सत्ता किसी भी राजनीतिक दल की रही हो, राज्यों में विरोधी दलों की सरकारों व राज्यपालों में टकराव की खबरें दशकों से अखबारों की सुर्खियां बनती रही हैं। जनसरोकारों की रक्षा व राज्य सरकारों की बेलगाम नीतियों पर संतुलन के लिये सृजित यह संवैध ाानिक पद गाहे–बगाहे विवादों की चपेट में आता रहा है। बहुमत की सरकारों को गिराने के खेल पिछली सदी में भी सुर्खियों में रहे हैं। इस कड़ी में कर्नाटक विधानसभा में घटा ताजा अप्रिय घटनाक्रम भी जुड़ गया। ऐसे में राजभवनों को लोकभवन बनाने को यथार्थ में बदलने की जरूरत भी महसूस की जा रही है। निस्संदेह, कर्नाटक विधानसभा में जो भी कुछ घटा वह राजभवन व निर्वाचित सरकारों के बीच जारी टकराव का एक निचला स्तर ही कहा जा सकता है। खासकर उन राज्यों में जहां राजग की सरकारें नहीं हैं। दरअसल, विध ाानसभा में मंत्रिपरिषद द्वारा तैयार किए गए पाठ को छोड़कर पारंपरिक संबोधन को केवल कुछ पंक्तियों में सीमित करने के निर्णय के बाद कर्नाटक में एक नया विवाद खड़ा हो गया। जिसका प्रभाव कांग्रेस शासित दक्षिणी राज्य के अलावा भी बहुत दूर तक महसूस किया गया। निर्विवाद रूप से नये साल के पहले सदन की शुरुआत में राज्यपाल का संबोधन एक संवैधानिक परंपरा रही है। यह राज्यपाल के व्यक्तिगत बयान के बजाय राज्य सरकार की नीतियों और प्राथमिकताओं का औपचारिक विवरण होता है। लेकिन सत्र की शुरुआत में राज्यपाल थावरचंद गहलोत अपने द्वारा तैयार किया गया संक्षिप्त भाषण देकर सदन से बाहर चले गए। राज्य की कांग्रेस सरकार ने उन पर केंद्र सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करने का आरोप लगाया। उल्लेखनीय है यहां यह तल्ख टकराव हाल में तमिलनाडु और केरल विधानसभा में हुए अप्रिय घटनाओं के बाद सामने आया है। विडंबना है कि ऐसी ही असहमतियां, हाल के वर्षों में आम हो चली हैं। जिसे भारत जैसे संघीय लोकतंत्र के लिये शुभ संकेत कदापि नहीं कहा जा सकता है। दरअसल, विभिन्न राज्यों में विपक्षी दलों वाली सरकारों के मुखिया आरोप लगाते रहे हैं कि अधिकतर राज्यों में राज्यपाल का उपयोग केंद्र सरकार के राजनीतिक लक्ष्यों को हासिल करने वाले साधन के रूप में ही किया जा रहा है। निस्संदेह, राज्यों में राज्यपालों से उम्मीद की जाती है कि वे केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच एक निष्पक्ष पुल का दायित्व निभाएं। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी राज्यपाल को मसविदा संबोधन पर आपत्ति उठाने का अधिकार तो होता है, लेकिन इसके प्रत्युत्तर में संवैधानिक नैतिकता भी अपरिहार्य है। निश्चित रूप से ऐसी किसी भी असहमति को संवाद के माध यम से हल करने की जरूरत होती है। राज्यपाल और राज्य सरकारों को सदन के भीतर आमने –सामने की भिड़ंत से हर हाल में बचने का प्रयास करना चाहिए। निर्विवाद रूप से किसी भी राज्यपाल और राज्य सरकार का अंतिम लक्ष्य जनता के हितों की रक्षा करना ही होता है। लेकिन किसी भी स्थिति में जब राज्यपाल और राज्य सरकारें विपरीत उद्देश्यों के लिये काम करने लगते हैं, तो शासन की गुणवत्ता का प्रभावित होना स्वाभाविक ही है। निर्विवाद रूप से यह केवल अहम का टकराव मात्र नहीं है। यह सरोकारों के संघवाद की भी एक परीक्षा है। उल्लेखनीय है कि आजकल केंद्र सरकार राजभवनों का नाम बदलकर लोकभवन बनाने की मुहिम चला रही है। केंद्र सरकार का कहना है कि राजभवन का संबोधन औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाता है। निस्संदेह लोकतंत्र में राजभवन राजतंत्र का पर्याय होने का आभास देता है। लोकतंत्र में लोकभवन सही मायनों में लोक का ही प्रतिनिधित्व करता है। लेकिन यह लोकभवन शब्द तब ही सार्थक हो सकता है जब जनता के हितों को राजनीतिक टकराव से ऊपर रखा जाएगा। निश्चित रूप से सत्ता के दोनों ही केंद्रों को जनादेश का सम्मान ईमानदारी से करना ही चाहिए। यह भारत जैसे संघीय लोकतंत्र के लिये अपरिहार्य शर्त भी है जिसका पालन राज्यपाल व राज्य सरकारों को पूरा करना ही चाहिए।

थाने में पत्रकार, कटघरे में पत्रकारिता

जम्मू–कश्मीर में साइबर पुलिस की ओर से पत्रकारों को तलब किए जाने पर और उनसे हलफनामे पर हस्ताक्षर करने के लिए दबाव बनाने के आरोपों पर प्रेस की आजादी का सवाल नए सिर से खड़ा हो गया है। पिछले हफ्ते जम्मू–कश्मीर में पुलिस ने मस्जिदों की प्रबंधन समितियों के सदस्यों और उनके परिवारों की सभी निजी जानकारियां इकठ्ठा करने का अभियान शुरू किया था। कई बड़े अखबारों के इस खबर को छापने पर श्रीनगर में मौजूद उनके संवाददाताओं को साइबर पुलिस ने तलब किया। इसी सिलसिले में इंडियन एक्सप्रेस और हिंदुस्तान टाइम्स के पत्रकारों के साथ किया गया सलूक अब विवाद का कारण बन गया है। इंडियन एक्सप्रेस की खबर के मुताबिक पिछले 20 सालों से उनके संपादक रहे बशारत मसूद ने श्रीनगर के साइबर पुलिस थाने में चार दिनों में 15 घंटे बिताए और उनसे एक बॉण्ड पर हस्ताक्षर करने को कहा गया कि वह शांति भंग करने वाला कोई काम नहीं करेंगे। हालांकि बशारत मसूद ने हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया। वहीं हिंदुस्तान टाइम्स ने अपनी खबर में कहा कि उसके संवाददाता आशिक हुसैन को भी मौखिक समन मिला था, लेकिन अखबार ने जवाब देने के लिए श्कारण सहितश लिखित समन की मांग की।इस मामले पर एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने पत्रकारों की स्वतंत्रता और सुरक्षा का सवाल उठाते हुए एक बयान जारी कर कहा है कि, श्पत्रकारों को मनमाने ढंग से तलब करना, पुलिस की ओर से पूछताछ करना और दबाव में हलफनामे लेने की कोशिश करना, मीडिया को उसके वैध कर्तव्यों के निर्वहन से रोकने के लिए किया गया जबरदस्ती और डराने–धमकाने जैसा कदम है।श एडिटर्स गिल्ड ने पुलिस और अधिकारियों से ऐसी कार्रवाइयां नहीं करने की अपील की है, जो अभिव्यक्ति की आजादी को सीमित करती हैं और मीडिया को उसके मूल कामकाज से रोकती हैं। वहीं डिजीटल मीडिया के संगठन डिजीपब न्यूज इंडिया फाउंडेशन ने इसे श्पत्रकारों का उत्पीड़नश बताया है। डिजीपब के बयान में कहा गया, श्पत्रकारों को तलब करने के ठोस कारण नहीं बताए गए। हफ्तों तक उन्हें अलग–अलग अधिकारियों के पास भेजा जाता रहा, लेकिन बार–बार पूछने के बावजूद किसी कथित अपराध की जानकारी नहीं दी गई। जनहित के लिए की जाने वाली ऐसी पत्रकारिता को अपराध की तरह पेश करना और बिना कघनूनी प्रक्रिया के श्पत्रकारों को बॉन्ड पर हस्ताक्षर के लिए मजबूर करना प्रेस की आजादी पर गंभीर हमलाश है। बयान में यह भी कहा कि साल 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से श्जम्मू–कश्मीर में प्रेस की आजादी लगातार कमजोर हुईश है।इन दोनों महत्वपूर्ण संगठनों के बयानों से जाहिर होता है कि प्रेस की आजादी को लेकर वे चिंतित हैं, लेकिन पिछले 12 सालों में पत्रकार उत्पीड़न की यह न पहली घटना है और न इसे आखिरी माना जा सकता है। बल्कि अब जो हालात बने हैं, उसमें स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए जगह सिमटती जा रही है। इन दोनों संगठनों को अगर पत्रकारों और पत्रकारिता की हालत दुरुस्त करनी है, तो सरकार से केवल अपील करके काम नहीं चलेगा, इसके लिए दीर्घकालिक योजना बनाने और पत्रकारों को एकजुट करने की भी जरूरत है।मौजूदा माहौल में पत्रकार भी दो खेमे में बंटे हुए हैं। एक तबका वह है जो दीपावली और नए साल के मौकों पर सत्ता से तोहफे लेकर खुश है। यह तबका खुद को राष्ट्रवादी मानकर सरकार की आलोचना को पाप समझता है और लगातार उन्हीं मुद्दों पर खबरें बनाता है, विमर्श करता है, जिससे सरकार को फायदा पहुंचे। दूसरी तरफ वो पत्रकार हैं, जो सारे जोखिम उठाकर सत्ता पर बैठे लोगों से ऐसे सवाल पूछते हैं, जिनसे सत्ताध ाारियों को असुविधा होती है। इन पत्रकारों को घंटा देख कर आए हो, जैसे जवाब सुनने पड़ते हैं। इसके बाद भी कुछ आवाजें तो पत्रकार के समर्थन में उठती हैं, लेकिन बाकी फौरन लीपापोती में जुट जाते हैं।जम्मू–कश्मीर में ही 2019 के बाद फहाद शाह के अखबार श्कश्मीरवालाश को बंद कर दिया गया और उन्हें सेंट्रल जेल भेजा गया, जहां 21 महीने बाद उन्हें जमानत मिली। पिछले साल नवंबर में जम्मू में श्कश्मीर टाइम्सश के दफ्तर पर छापा मारा गया और पुलिस ने दावा किया कि वहां हथियार मिले हैं। यह अखबार कई साल पहले छपना बंद हो चुका है और अब सिर्फ ऑनलाइन पोर्टल चलाता है। इन घटनाओं पर इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट्स और रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स जैसी वैश्विक संगठनों ने चिंता जता चुके हैं। लेकिन इसमें देशव्यापी स्तर पर जैसा विरोध देखने मिला था, वह नहीं हुआ। अभी की घटना पर भी इंडियन एक्सप्रेस ने एक बयान में कहा है कि, श्हम अपने पत्रकारों के सम्मान और गरिमा की सुरक्षा में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे।श लेकिन सवाल यही है कि यह कैसे होगा।मीडिया पर पूंजी का शिकंजा इतना अधिक कस चुका है कि अब मीडिया मालिकों के लिए सत्ता से भिड़ना आसान नहीं है। क्योंकि सत्ता और पूंजी जिनके हाथों में है, उन्हीं के हाथों में मीडिया भी दे दिया गया है। एनडीटीवी प्रकरण इसका ताजा उदाहरण है, जो अब अडानी समूह के स्वामित्व में है। लेकिन इससे पहले प्रणय रॉय और राधिका रॉय की देखरेख में यह स्वतंत्र पत्रकारिता की मिसाल हुआ करता था। रॉय दंपती पर मार्च 2016 में आयकर विभाग ने पुनर्मूल्यांकन नोटिस जारी किए थे, जो 2009–10 में लिए गए एक कर्ज से संबंधित थे। तब आयकर विभाग ने रॉय दंपती की कंपनी आरआरपीआर होल्डिंग को दिए कुछ ब्याज मुक्त ऋण को लेकर जांच की थी। विभाग का आरोप था कि इन लेन–देन में आय को छिपाया गया था और इससे संबंधित कर चुकाया जाना चाहिए था। पहले दौर में इन लेन–देन की जांच हो चुकी थी और मूल्यांकन पूरा हो गया था। रॉय दंपती ने 2017 में इसे चुनौती देते हुए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी कि यह कानून के खिलाफ है, क्योंकि एक ही तथ्य और सामग्री पर मूल्यांकन को दूसरी बार दोबारा खोलने की अनुमति नहीं है। अब दिल्ली हाई कोर्ट ने भी इस तर्क को सही मानते हुए प्रणय रॉय और राधिका रॉय के खिलाफ 2016 में जारी किए गए आयकर पुनर्मूल्यांकन नोटिस को रद्द कर दिया है। साथ ही आयकर विभाग पर 2 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने कहा कि यह राशि प्रतीकात्मक है, क्योंकि वास्तविक मुआवजा इससे ज्यादा हो सकता था, लेकिन विभाग की गलती के लिए यह जरूरी था। लेकिन यहां विभागीय गलती से ज्यादा गौर करने वाली बात यह है कि इस तरह की कार्रवाइयों से प्रणय रॉय और राधिका रॉय को मजबूर किया गया कि वे अपनी कंपनी को बेचें। अब एनडीटीवी बिक चुका है, और साथ ही उसके द्वारा खड़े गए पत्रकारिता के मूल्य भी दांव पर लग गए हैं। क्या इसका कोई जुर्माना तय हो सकता है। यह आज के पत्रकारों और संपादकों को सोचना होगा।

अगले महीने हाथ मिला सकते हैं दो अकाली दल

शिरोमणि अकाली दल, जिसे अकाली दल बादल के नाम से जाना जाता है, जिसने पिछले 2 दशकों में 3 बार सरकार बनाई है, पिछले एक दशक से बहुत मुश्किल समय का सामना कर रहा है। इस मुश्किल समय का कारण न केवल सरकार चलाते समय की गई गलतियां हैं बल्कि कई नए अकाली दलों का उभरना भी है। इनमें शिरोमणि अकाली दल डैमोक्रेटिक, शिरोमणि अकाली दल टकसाली, शिरोमणि अकाली दल संयुक्त, अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' और शिरोमणि अकाली दल पुनर सुरजीत शामिल हैं। हालांकि अब अकाली दल डैमोक्रेटिक, अकाली दल टकसाली और अकाली दल संयुक्त का वजूद नहीं है लेकिन अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' और शिरोमणि अकाली दल पुनर सुरजीत शिरोमणि अकाली दल बादल के लिए बड़ा सिरदर्द बन गए हैं। अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' के 2 बड़े नेता भाई अमृतपाल सिंह और भाई सरबजीत सिंह पार्टी बनाने से पहले ही लोकसभा चुनाव जीत चुके थे। बाद में, उनके समर्थकों ने भाई अमृतपाल सिंह के पिता तरसेम सिंह और भाई सरबजीत सिंह के साथ मिलकर अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' नाम की पार्टी बनाई और जेल में बंद भाई अमृतपाल सिंह को पार्टी का अध्यक्ष घोषित किया। फिर पार्टी का संगठनात्मक ढांचा बनाना शुरू किया। सबसे पहले, पार्टी की सबसे ताकतवर कमेटी, 'पंच प्रध ाानी पंज मैंबरी कमेटी' बनाई गई। इसके बाद, 13 मैंबर वाली वर्किंग कमेटी और 13 प्रवक्ता नियुक्त किए गए। जिला लैवल पर कार्रवाई चलाने के लिए सभी जिलों से ऑब्जर्वर नियुक्त किए गए और निचले स्तर पर एक ढांचा तैयार किया जा रहा है। हालांकि शिरोमणि अकाली दल पुनर सुरजीत ने शुरू में ढांचा बनाने में लापरवाही दिखाई, लेकिन बाद में बड़े स्तर पर पद बांटे गए। पार्टी अध्यक्ष ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कोर कमेटी, पार्टी के सीनियर वाइस प्रैसिडैंट, वाइस प्रैसिडैंट, महासचिव, संगठनात्मक सचिव, ऑफिस सैक्रेटरी और कई दूसरे पदाधिकारियों की घोषणा की। पार्टी अध्यक्ष ने पार्टी के चीफ स्पोक्सपर्सन और स्पोक्सपर्सन भी नियुक्त किए। राजनीतिक मामलों पर सोच–विचार करने और फैसले लेने के लिए एक राजनीतिक मामलों की समिति (पी.ए.सी.) भी बनाई गई। इतना बड़ा ढांचा बनाने के बावजूद, अकाली दल पुनर सुरजीत लोगों की उम्मीदों के मुताबिक राजनीतिक कदम उठाने में कामयाब नहीं हो सका। यहां तक कि पार्टी खुद की बनाई गाइडलाइंस पर भी कायम नहीं रह सकी कि एक परिवार को एक पद मिलना चाहिए, जिससे पार्टी के आगे के कामकाज पर सवालिया निशान लगने लगे। यहां तक कि इसी वजह से पार्टी की भर्ती के शुरुआती दौर में मेहनती वर्कर और नेता भी साफ तौर पर परेशान थे कि मेहनती लोग पीछे छूट गए। उनमें से कई को एक भी पद नहीं मिला और नए तथा बड़े नेताओं के परिवार वालों को कई पद दे दिए गए। इसी दुविधा के चलते अकाली दल पुनर सुरजीत ने ढांचा खत्म करने का फैसला किया है, हालांकि कोई भी बड़ा नेता खुलकर इस फैसले को सपोर्ट नहीं करता, लेकिन यह जरूर कहा जा रहा है कि पार्टी का नाम चुनाव आयोग में रजिस्टर कराने के लिए कई फैसले लिए गए हैं। अकाली दल पुनर सुरजीत ने इलैक्शन कमीशन ऑफ इंडिया में पार्टी की रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया है। जानकारी के मुताबिक, पार्टी ने 3 नाम लिखे हैं, जिनमें शिरोमणि अकाली दल पंजाब, शिरोमणि अकाली दल सर्ब हिंद और अकाली दल शामिल हैं। इस तरह, अगर चुनाव आयोग इनमें से किसी भी नाम को मान्यता देता है, तो अकाली दल पुनर सुरजीत का स्थान एक नया अकाली दल ले लेगा। अब जब विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक साल बचा है, तो अकाली दल पुनर सुरजीत और वारिस पंजाब दे ने पिछले ब्लॉक समिति और जिला परिषद के चुनाव न लड़कर शिरोमणि अकाली दल बादल को जरूर नुकसान पहुंचाया लेकिन दोनों पार्टियों के नेताओं को पता चल गया है कि चुनाव न लडने की वजह से दोनों पाघ्टयों की हालत शिरोमणि अकाल दल बादल से कमजोर दिखने लगी है, इसलिए दोनों पार्टियों के नेता खुद को विरोधी अकाली दल से ज्यादा मजबूत साबित करने का तरीका ढूंढ रहे हैं। इसी वजह से माघी के मौके पर कॉन्फ्रैंस न करने के बावजूद, अकाली दल पुनर सुरजीत के दो बड़े नेताओं ने अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' के मंच से संबोधि ात होकर लोगों तक अपनी पार्टी का मैसेज पहुंचाने की कोशिश की और शिरोमणि अकाली दल बादल को यह भी बताने की कोशिश की कि शिरोमणि अकाली दल बादल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के अध्यक्ष का पद छोड़े बिना एकता मुमकिन नहीं है। लेकिन सुखबीर सिंह बादल ने इस बात का ध्यान रखते हुए अकाली दल पुनर सुरजीत और दूसरे अकाली नेताओं से शिरोमणि अकाली दल बादल में शामिल होने की अपील दोहराई। अब जब अकाली दल बादल और अकाली दल पुनर सुरजीत के नेता अपनी–अपनी बात पर अड़े हैं, तो अकाली दल पुनर सुरजीत और अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' के लिए सही रास्ता मेल–मिलाप का है। इस मकसद के लिए दोनों पाघ्टयों के नेताओं की हुई मीटिंग्स में काफी हद तक आम सहमति बन गई है। जल्द ही दोनों पाघ्टयों की लीडरशिप कॉमन मिनिमम प्रोग्राम बनाने के लिए एक संयुक्त कमेटी बनाने का फैसला कर सकती है। इसी मकसद से आज चंडीगढ़ में अकाली दल पुनर सुरजीत के सीनियर नेताओं की मीटिंग में 3 मैंबरी राजसी तालमेल कमेटी का गठन किया गया है, जो अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' के नेताओं से आगे की बातचीत करेंगे। अगर बातचीत तय लक्ष्य के मुताबिक आगे बढ़ी तो अगले महीने दोनों अकाली पाघ्टयों के बीच गठबंधन की प्रबल संभावना है और यह गठबंधन चुनाव से पहले पंजाब की राजनीति में दोनों अकाली पाघ्टयों के बीच पहला राजनीतिक गठबंधन होगा।–इकबाल सिंह चन्नी

भारत का भविष्य-निर्माण, मांग, रोजगार के अवसर और आत्मनिर्भरता

गिरिराज सिंह

प्रत्येक भारतीय वस्त्र उत्पाद में कपड़े से कहीं आगे की कहानी छिपी होती है, यह कहानी साहस, आत्मविश्वास और शांत परिवर्तन से जुड़ी है। यह प्रतिबिंबित करती है कि कैसे एक महिला गरिमा के साथ कार्यबल में प्रवेश करती है, कैसे एक परिवार निरंतर आय के माध्यम से स्थिरता पाता है और किस प्रकार प्रथम–पीढ़ी का उद्यमी, कौशल को आत्मनिर्भरता में बदल देता है। पिछले 11 वर्षों में, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णायक और दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत का वस्त्र क्षेत्र एक पारंपरिक उद्योग से एक शक्तिशाली, रोजगार सृजक और जन–केंद्रित वृद्धि इंजन में बदल गया है, जो आत्मनिर्भर भारत की सच्ची भावना को दर्शाता है। भारत के वस्त्र उद्योग के पुनरुत्थान का आध ाार मजबूत घरेलू मांग और बढ़ते उपभोग में निहित है। 140 करोड़ से अधिक की आबादी के साथ, भारत दुनिया के सबसे सुदृढ़ वस्त्र बाजारों में से एक है। इस परिवर्तन का पैमाना आंकड़ों से स्पष्ट होता है। भारत का घरेलू वस्त्र बाजार केवल 5 वर्षों में लगभग 8.4 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर अनुमानित 13 लाख करोड़ रुपए हो गया। पिछले दशक में प्रति व्यक्ति वस्त्र उपभोग लगभग दोगुना हो गया है, जो 2014–15 के लगभग 3,000 रुपए से बढ़कर 2024–25 में 6,000 रुपए से अधिक हो गया और 2030 तक फिर इसके दोगुनी वृद्धि के साथ 12,000 रुपए होने का अनुमान है। इस मांग–आध ाारित विस्तार का प्रतिबिंब निर्यात में दिखाई पड़ता है। वस्त्र और परिधान का निर्यात 2019–20 के 2.49 लाख करोड़ रुपए, जिस वर्ष कोविड की आपदा आई थी, से बढ़कर 2024–25 में लगभग 3.5 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस प्रकार कोविड के बाद के दौर में लगभग 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वस्त्र उद्योग भारत की रोजगार अर्थव्यवस्था का प्रमुख घटक है। आज, यह क्षेत्र कृषि के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा रोजगार–प्रदाता है, जो 2023–24 के अंत तक लगभग 5.6 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष रूप से समर्थन दे रहा है। कार्यबल की यह संख्या 2014 की तुलना में लगभग दोगुनी हो गई है। कोविड के बाद का चरण विशेष रूप से परिवर्तनकारी रहा है– 2020 से निर्यात–केंद्रित विकास से केवल संगठित क्षेत्र में ही अनुमानित 1.5 करोड़ नई नौकरियों का सृजन हुआ है। इस निर्यात सुदृढ़ता के पीछे एक निर्णायक बदलाव छिपा है, जो क्षमता–आधारित वृद्धि की दिशा में किया गया है। पिछले दशक में वस्त्र क्षेत्र का विस्तार एक अनजानी नायिका, सिलाई मशीन, की शक्ति से संभव हुआ। एक उपकरण से आगे बढ़ कर सिलाई मशीन वृद्धि के लिए एक उत्प्रेरक बन गई है, इससे यह बात साबित होती है कि कभी–कभी रोजगार और औद्योगिक स्तर पर सबसे बड़े परिवर्तन सबसे छोटी मशीनों से शुरू होते हैं।

केवल कोविड के बाद ही, 1.8 करोड़ से अधिक सिलाई मशीनें भारत के उत्पादन इकोसिस्टम के लिए आयात की गई हैं। 2024–25 में, आयात 61 लाख मशीनों के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे अधिक है। प्रत्येक मशीन वस्त्र–से–परिधान मूल्य शृंखला में लगभग 1.7 श्रमिकों के रोजगार का समर्थन करती है। परिणामस्वरूप, महामारी के बाद सिलाई मशीन के आयात में वृद्धि से वस्त्र क्षेत्र में 3 करोड़ से अधिक नौकरियों का सृजन हुआ है, इस प्रकार क्षमता विस्तार को बड़े पैमाने पर रोजगार वृद्धि के साथ मजबूती से जोड़ा गया है। महत्वपूर्ण यह है कि रोजगार सृजन केवल आधुनिक कारखानों तक सीमित नहीं रहता। जब इकाइयां उन्नत होती हैं, तो पुरानी मशीनें ग्रे मार्केट में चली जाती हैं और छोटे उद्यमों, सिलाई इकाइयों और घरेलू व्यवसायों द्वारा इनका पुनरू उपयोग किया जाता है, जिससे जमीनी स्तर पर रोजगार का विस्तार होता है। इस विकेंद्रीकृत विस्तार के केंद्र में महिलाएं, ग्रामीण युवा और पहली पीढ़ी के उद्यमी हैं। विशेष रूप से असंगठित खंड में इस रोजगार के पूरे पैमाने की पहचान करने और समझने के लिए, सरकार जिला नेतृत्व में वस्त्र रूपांतरण (डी.एल.टी.टी.) पहल को आगे बढ़ा रही है, जो यह सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखता है कि रोजगार वृद्धि केवल संख्या में बड़ी न हो, बल्कि कौशल, सामाजिक सुरक्षा और दीर्घकालिक स्थिरता द्वारा समर्थित भी हो। 2030 के लिए हमारा विजन स्पष्ट है– वस्त्र उद्योग को भारत में रोजगार सृजन और समावेशी विकास के सबसे मजबूत इंजनों में से एक के रूप में स्थापित करना। फास्ट फैशन एक शक्तिशाली नए संचालक के रूप में उभर रहा है। आज 20 अरब डॉलर के मूल्य वाले वैश्विक फास्ट फैशन बाजार की 2030 तक 60 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

इसके लिए चुस्त निर्माण और तेज उत्पादन की मांग भारत को अनुकूल स्थिति प्रदान करती है और इससे अगले 4 वर्षों में रोजगार के लगभग 40 लाख अतिरिक्त अवसरों के सृजन की उम्मीद है। पी.एम. मित्र पार्क में अकेले 20 लाख से अधिक रोजगार सृजन की क्षमता है, जबकि पी.एल.आई. योजना नए कारखानों और नए निवेशों के माध्यम से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के 3 लाख से अधिक अवसर पैदा करने के लिए तैयार है।

माही गिल ने साझा की बचपन की यादें, बताया क्यों लिया था काम से ब्रेक?

अभिनेत्री माही गिल ने अपने जीवन में लोहड़ी के त्योहार के महत्व को समझाया। साथ ही उन्होंने बताया कि बचपन में वो किस तरह से लोहड़ी मनाती थीं। जानिए अब कैसे इस त्योहार को मनाती हैं माही और करियर से क्यों लिया था उन्होंने ब्रेक? पंजाबी संस्कृति का रंग, आग की गर्माहट और परिवार के साथ जश्न का नाम है लोहड़ी। यह त्योहार सिर्फ मौसम के बदलाव का नहीं बल्कि रिश्तों, परंपराओं और नई शुरुआत का प्रतीक भी है। लोहड़ी के इस खास मौके पर अभिनेत्री माही गिल ने अमर उजाला से अपने बचपन की यादों से लेकर मां बनने के अनुभव, करियर से लिए गए ब्रेक और दमदार कमबैक तक अपनी जिंदगी के कई खूबसूरत पहलुओं पर खुलकर बात की। आपके बचपन की लोहड़ी से जुड़ी कौन सी यादें आज भी दिल के सबसे करीब हैं? लोहड़ी की बात की जाए तो मेरे लिए यह त्योहार सिर्फ एक रस्म नहीं बल्कि मेरी जिंदगी की बहुत प्यारी यादों से जुड़ा हुआ है। जब मैं छोटी थी और चंडीगढ़ में रहती थी तब लोहड़ी का मतलब होता था परिवार का साथ, घर की गर्माहट और ढेर सारी खुशियां। आज वक्त बदल गया है। मेरी फैमिली अमेरिका में रहती है और मैं कभी मुंबई तो कभी गोवा में होती हूं, लेकिन बचपन की वह लोहड़ी आज भी मेरे दिल के बहुत करीब है। लोहड़ी वाले दिन घर में एक अलग ही रौनक होती थी। सब लोग मिलकर आग जलाते थे। रेवड़ियां और गजक बांटी जाती थीं। सबसे पहले पूजा होती थी और फिर पूरा परिवार एक साथ बैठता था। अगर किसी घर में शादी की पहली लोहड़ी होती या बच्चे की पहली लोहड़ी होती तो पूरा परिवार वहीं पहुंच जाता था। नॉर्थ इंडिया में लोहड़ी का बहुत महत्व है और मेरी जिंदगी में भी इसका एक खास स्थान रहा है। मम्मी, पापा, भाई–बहन सभी साथ होते थे। आज भले ही हर साल यह मुमकिन न हो, लेकिन वह पल और वह एहसास आज भी मेरे दिल में वैसे ही बसे हुए हैं। लोहड़ी मेरे लिए परिवार, परंपरा और अपनों के साथ होने की खुशी का त्योहार है। आपके हिसाब से लोहड़ी जैसे त्योहार हमारी परंपराओं को आज की पीढ़ी तक कैसे जोड़ते हैं? मेरे लिए लोहड़ी हमेशा से बहुत खास रही है। शायद यही वजह है कि मैंने अपने करियर में भी पंजाबी संस्कृति को पूरी ईमानदारी और गर्व के साथ स्क्रीन पर दिखाने की कोशिश की है। लोहड़ी जैसे त्योहार आज भी हमारी परंपराओं को जिंदा रखते हैं और एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक जोड़ने का काम करते हैं। आज भी लोहड़ी को उतने ही प्यार और सम्मान के साथ मनाया जाता है। मैं गोवा में रहती हूं, जहां लोहड़ी का कल्चर नहीं है, लेकिन वहां भी बहुत सारी पंजाबी फैमिलीज हैं जो लोहड़ी जरूर मनाती हैं। उस दिन हम आग जलाते हैं, प्रार्थना करते हैं और अपनी परंपराओं को याद करते हैं। एक मां होने के नाते मेरे लिए यह और भी जरूरी हो गया है। मेरी बेटी पंजाब में नहीं पली बढ़ी है, लेकिन मैं चाहती हूं कि वह अपनी संस्कृति को जाने, महसूस करे और उससे जुड़ी रहे। इसलिए मैं आज भी लोहड़ी मनाती हूं, ताकि मेरी बेटी भी समझ सके कि हमारी जड़ें कहां से जुड़ी हैं और हमारी परंपराएं कितनी खूबसूरत हैं। लोहड़ी नई शुरुआत और शुक्रगुजारी का प्रतीक है। इस समय आप अपनी जिंदगी और करियर में किन बातों के लिए सबसे ज्यादा आभारी हैं? अगर मैं अपनी जिंदगी और करियर की बात करूं तो मैं दोनों के लिए दिल से आभारी हूं। सच कहूं तो भगवान ने मुझे बहुत कुछ दिया है। मुझे एक बहुत ही अच्छी फैमिली मिली है। एक समझदार और सपोर्टिव पति है और मेरी बेटी अब 9 साल की हो चुकी है। मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी खुशी वही है। मैंने जानबूझकर कुछ साल का ब्रेक लिया था। करीब चार से छह साल तक मैंने शूटिंग नहीं की क्योंकि मैं उस वक्त अपनी बेटी को पूरा समय देना चाहती थी। उसका बचपन, उसका बड़ा होना और उसकी सोच का विकसित होना मेरे लिए बहुत जरूरी था। उस समय मैंने करियर से ज्यादा उसे प्राथमिकता दी और मुझे आज इस फैसले पर कोई पछतावा नहीं है। अब जब वह थोड़ी बड़ी और समझदार हो गई है, तो मैंने फिर से काम शुरू किया है। 2026 मेरे लिए एक नई शुरुआत जैसा है। मैंने फिर से शूटिंग शुरू कर दी है और काम भी बहुत अच्छे से चल रहा है। सेट पर अच्छा माहौल है, लोग अच्छे हैं, दोस्त अच्छे हैं और परिवार का साथ हमेशा मेरे साथ है। इन सबके लिए मैं भगवान की बहुत आभारी हूं और इस वक्त अपने जीवन में बहुत संतुष्ट और खुश हूं। लंबे ब्रेक के बाद जब आप दोबारा सेट पर पहुंचीं, उस पहले दिन का एहसास कैसा था? करीब चार साल बाद जब मैं फिर से सेट पर लौटी, तो दिल में थोड़ी घबराहट थी। इतने लंबे वक्त तक कैमरे का सामना नहीं किया था, लेकिन यह ब्रेक मेरा अपना फैसला था, क्योंकि उस समय मेरी फैमिली मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकता थी। श्रक्तांचलश की शूटिंग मेरे लिए बहुत खास रही। जैसे ही कैमरा ऑन हुआ और मैंने डायलॉग बोले, मुझे एहसास हुआ कि अभिनय मुझसे कहीं गया नहीं है। पूरी टीम के सपोर्ट ने मेरी सारी घबराहट दूर कर दी। उस दिन मुझे समझ आया कि सही समय पर लिया गया ब्रेक और सही समय पर की गई वापसी बहुत मायने रखती है। यह मेरे कमबैक की एक नई और खूबसूरत शुरुआत थी। लोहड़ी का जश्न आपके लिए कितना मस्ती भरा होता है। वो कौन सी चीजें हैं, जिनके बिना आपकी लोहड़ी अधूरी रह जाती है? मेरे लिए लोहड़ी का मतलब है आग के चारों ओर जश्न, पंजाबी गानों पर डांस और दिल खोलकर अच्छा खाना। मैं दुनिया में कहीं भी रहूं, लेकिन लोहड़ी के दिन आग के पास पंजाबी गानों पर डांस करना मेरे लिए जरूरी होता है। पुराने फ्लेवर वाले पंजाबी गाने हों। पहले पूजा हो, फिर डांस और फिर मस्ती। वैसे तो मैं रोजाना डाइट फॉलो करती हूं, लेकिन लोहड़ी वाले दिन थोड़ा सब चलता है। उस दिन अच्छे खाने का मजा लेना बनता है। खाने की बात करें तो सरसों का साग तो जरूर बनता है। चाहे मैं गोवा में ही क्यों न हूं, मैं पंजाब से साग मंगवाती हूं और मुंबई से बाकी सामान। इसके साथ गाजर का हलवा भी बनता है। मेरे लिए लोहड़ी बिना इन स्वादों के अधूरी है।

दो दीवाने सहर में 'आसमा' बना इस सीजन का फ्रेश साउंड ऑफ लव, मृणाल–सिद्धांत की केमिस्ट्री ने जीता दिल

जी स्टूडियोज और भंसाली प्रोडक्शंस की अपकमिंग रोमांटिक फिल्म 'दो दीवाने शहर में' पहले ही अपने खूबसूरत और रियल टीजर से दर्शकों के दिलों में खास जगह बना चुकी है। यह फिल्म उन लोगों के लिए एक परफेक्ट वैलेंटाइन ट्रीट लग रही है, जो इम्परफेक्ट, कंफ्यूजिंग और खूबसूरती से उलझे हुए प्यार में विश्वास रखते हैं। टीजर ने जहां इस यूनिक लव स्टोरी का टोन बेहद सेंसिटिव और रिलेटेबल रखा, वहीं अब मेकर्स ने फिल्म का पहला गाना 'आसमा' रिलीज कर दिया है, जिसने दर्शकों की एक्साइटमेंट को और बढ़ा दिया है। 'आसमा' अपने आप में एक क्लटर–ब्रेकिंग रोमांटिक सॉन्ग है, जो आम बॉलीवुड लव सॉन्स से बिल्कुल अलग फील देता है। गाने की मीठी धुन और स्क्रीन पर चलती कहानी मिलकर एक ऐसा एहसास पैदा करती हैं, जो आज के दौर के असली और अधूरे प्यार को दर्शाता है। यह गाना न तो ओवरड्रामैटिक है और न ही जरूरत से ज़्यादा फिल्मी–बल्कि सादा, सच्चा और दिल से जुड़ने वाला है। गाने में मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी की केमिस्ट्री बेहद क्यूट और नेचुरल नजर आती है। दोनों के बीच का साइलेंट कनेक्शन, छोटे–छोटे मोमेंट्स और बिना ज़्यादा कहे बहुत कुछ बयां करने वाला अंदाज गाने को और भी खास बना देता है। उनकी ऑन–स्क्रीन बॉन्डिंग इस बात का सबूत है कि यह फिल्म एक रियल और सरप्राइजिंग लव स्टोरी लेकर आ रही है। जी स्टूडियोज और भंसाली प्रोडक्शंस प्रस्तुत 'दो दीवाने शहर में' में लीड रोल में मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन रवि उद्यवार ने किया है और इसे संजय लीला भंसाली, प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार रंगा ने रवि उद्यवार फिल्म्स के सहयोग से प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 20 फरवरी 2026 को थिएटर्स में रिलीज होने जा रही है और माना जा रहा है कि यह इस वैलेंटाइन सीजन की सबसे रियल और दिल से जुड़ने वाली लव स्टोरी साबित हो सकती है।

उदयपुर में शादी के बाद सिंगर स्टेबिन बेन और एक्ट्रेस नूपुर सेनन ने मंगलवार को मुंबई में ग्रैंड वेडिंग रिसेप्शन का आयोजन किया। इस रिसेप्शन में सलमान खान, मौनी रॉय, दिशा पटानी, और फराह खान सहित कई सेलेब्रिटीज कपल को बधाई देने पहुंचे। सलमान ने रिसेप्शन में पहुंचते ही सबका ध्यान खींच लिया। स्टेबिन और नूपुर ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कपल को बधाई दी। स्टेबिन हाल ही में दोहा में हुए 'सलमान द–बंगरू द टूर रीलोडेड' का हिस्सा थे। रिसेप्शन में सलमान खान शार्प नीले सूट में नजर आए। नूपुर की बहन कृति सेनन पूरे समारोह में उनके साथ नजर आईं। रेड ड्रेस में दिशा और साड़ी में मौनी नजर आईं। नूपुर के परिवार के साथ स्टेबिन बेन। रिसेप्शन में स्टेबिन और नूपुर ने जमकर डांस किया। ऑलिव ग्रीन साड़ी में कृति सेनन बेहद खूबसूरत दिखीं। अर्जुन बिजलानी ब्लैक डिजाइनर आउटफिट में दिखे। अंकिता लोखंडे और विक्की जैन साथ नजर आए। ब्लू सूट में फराह खान नजर आईं। सिल्वर ड्रेस में ईशा मालवीय नजर आईं। रिसेप्शन में कृति से वीर पहाड़िया गले मिले। नील नितिन मुकेश अपनी पत्नी रुक्मिणी सहाय के साथ रिसेप्शन में नजर आए। फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ब्लैक आउटफिट में दिखे।

दुनिया की तरह इंडस्ट्री भी बदल गई..जावेद जाफरी ने एआर रहमान के सपोर्ट में कही बात

बॉलीवुड के मशहूर संगीतकार एआर रहमान अपने श्कम्युनलश वाले बयान के बाद से विवादों में घिरे हुए हैं। उनके इस स्टेटमेंट के बाद हर कोई इस पर अपनी राय दे रहा है और उन पर निशाना साध रहा है।

हालांकि, माफी मांगने के बाद भी रहमान अपने बयान को लेकर ट्रोल हो रहे हैं। इसी बीच अब हाल ही में एक्टर जावेद जाफरी ने सिंगर के सपोर्ट में अपनी बात कही है। जावेद जाफरी ने आईएनएस से बात करते हुए कहा, दुनिया की तरह इंडस्ट्री भी बदल गई है।

डिजिटल। एआई। दुनिया बदल रही है। फैशन बदल रहा है, खान–पान बदल रहा है। मूल्य बदल रहे हैं। जाहिर है, सोच का तरीका भी बदल रहा है। मुझे हाल ही में पता चला है कि जेनरेशन जेड या अल्फा पीढ़ी के लोगों का ध्यान सिर्फ 6 सेकंड तक ही टिकता है। एक्टर ने कहा चौनल प्रमुखों का कहना है कि अगर आप इसे 6 सेकंड में कैद नहीं कर सकते, तो यह खत्म हो गया।

हम इतनी तेजी से बदल रहे हैं। बस यही बात है। ठीक है। कुछ ढांचा तो रहा है। कुछ अवसर भी मिले हैं। आप लंबी कहानी सुना सकते हैं, लेकिन फिल्म में समय सीमित होता है। विकल्प तो हैं, लेकिन साथ ही व्यापार भी है। आंकड़े भी हैं। आप एक प्रोजेक्ट बना रहे हैं, फिल्म नहीं। एआर रहमान ने बीबीसी को दिए इंटरव्यू में कहा था कि पिछले 8 साल से उन्हें बॉलीवुड में काम मिलना बंद हो गया है। ऐसा सांप्रदायिकता की वजह से हो सकता है।

वहां पर जो लोग बैठे हैं, वो क्रिएटिव नहीं हैं। सिंगर के इस बयान की काफी आलोचना हुई थी, जिसके बाद उन्होंने एक वीडियो शेयर कर माफी मांगी थी और कहा था कि उनके कहने का यह उद्देश्य नहीं था।

कलर्स चौनल के शो श्लाफ्टर शेफ 3श को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है. रिपोर्ट के अनुसार ईशा मालवीय और विवियन डीसेना ने शो को अलविदा कह दिया है. हाल ही में ये भी खबर थी कि एल्विश यादव भी शो को छोड़ चुके हैं. ऐसा लग रहा है कि श्लाफ्टर शेफ्स 3श को किसी की नजर लग गई है. क्योंकि और भी 3 सेलेब्स ने इस शो को छोड़ दिया है. इस आर्टिकल में उन सेलेब्स के बारे में बात करने वाले हैं जो अब शो में दर्शकों को हंसाते हुए नजर नहीं आएंगे.. रिपोर्ट के अनुसार विवियन डीसेना को हाल ही में एक नया शो मिला है. उसी की वजह से उन्होंने लाफ्टर शेफ 3 को अलविदा कह दिया है.अब खबर है कि नागिन 7 में ईशा सिंह का कैरेक्टर खत्म होने वाला है. इसके साथ ही लाफ्टर शेफ 3 से भी उनका पत्ता साफ होने वाला है. इन सेलेब्स ने छोड़ा शो रिपोर्ट के अनुसार ईशा ने श्लाफ्टर शेफ 3श को छोड़ दिया है.रिपोर्ट के अनुसार ईशा मालवीय भी लाफ्टर शेफ 3 का हिस्सा नहीं हैं. ईशा मालवीय ने शो में खूब धमाल मचाया था. ऐसे में लोगों को उनकी कमी जरूर खलेगी.इनके अलावा गुरमीत चौधरी ने भी श्लाफ्टर शेफ 3श को छोड़ दिया है. अब वो शो में दिखाई नहीं देंगे. ऐसे में ये खबर गुरमीत के फैंस के लिए किसी सदमे से कम नहीं है.वहीं, देबीना बनर्जी ने भी अपने पति गुरमीत चौधरी के पीछे–पीछे शो को छोड़ने का फैसला किया है. आपको बता दें लंबे वक्त बाद देबीना ने टीवी पर वापसी की थी.ऐसे में उनके फैंस निराश हो जाएंगे. इन सितारों के जाते ही मेकर्स को अब अंकिता लोखंडे और विक्की जैन की याद आ गई है. रिपोर्ट के अनुसार अंकिता और विक्की जैन फिर से नजर आ सकते हैं.रिपोर्ट के अनुसार निया शर्मा और सुदेश लहरी को शो में लाने के लिए मेकर्स खूब पापड़ बेलने वाले है.अगर सब कुछ ठीक रहा तो शो में निया और सुदेश लहरी की वापसी हो सकती है.

क्या आप जानते हैं कि सुबह–सुबह खाली पेट कुछ चीजों का सेवन आपके पेट को नुकसान पहुंचा सकता है? जी हां, सही समय पर सही आहार का चुनाव हमारी सेहत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। खाली पेट कुछ खाद्य पदार्थों का सेवन एसिडिटी, गैस और पेट की अन्य समस्याओं को बढ़ा सकता है। सुबह का समय हमारे शरीर के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है, और यह समय हमारे पाचन तंत्र को सही से काम करने का मौका देता है। लेकिन अगर हम सुबह–सुबह कुछ गलत चीजें खा लें, तो इसका असर हमारी सेहत पर बुरा पड़ सकता है। तो आज हम जानेंगे उन 7 चीजों के बारे में, जिन्हें खाली पेट खाने से बचना चाहिए, ताकि आप एसिडिटी और पेट की अन्य समस्याओं से बच सकें। यह जानकारी आपके दिन की शुरुआत को और भी बेहतर और सेहतमंद बना सकती है। आइए जानते हैं, कौन सी वे 7 चीजें हैं जिन्हें आपको सुबह खाली पेट खाने से बचना चाहिए।

खट्टे फल (संतरा, नींबू, टमाटर)

संतरा, नींबू और टमाटर जैसे खट्टे फल खाली पेट खाने से पेट में एसिड का स्तर बढ़ सकता है, जिससे सीने में जलन और खट्टी डकार आ सकती है। ये फल पेट की दीवारों पर असर डाल सकते हैं और एसिडिटी को बढ़ावा दे सकते हैं। इसलिए इन्हें नाश्ते में खाने से बचना चाहिए, खासकर जब आप खाली पेट हों।

टमाटर

टमाटर में साइट्रिक और मैलिक एसिड की अधिक मात्रा होती है, जो एसिडिटी को बढ़ा सकती है। कई लोग सुबह–सुबह टमाटर का जूस पीते हैं, जो खाली पेट पीने पर दस्त और पेट में जलन पैदा कर सकता है। खाली पेट टमाटर का सेवन पेट के लिए उत्तेजक हो सकता है और इससे पेट में जलन या दर्द भी हो सकता है।

कैफीन (चाय और कॉफी)

खाली पेट चाय या कॉफी पीने से पेट में एसिडिटी बढ़ जाती है। कैफीन पेट में अधिक एसिड उत्पादन को उत्तेजित करता है, जिससे पेट में जलन, गैस और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बिना कुछ खाए इन ड्रिंक्स का सेवन करने से पेट की स्थिति बिगड़ सकती है और एसिड रिफ्लक्स की समस्या हो सकती है।

मसालेदार भोजन (छोले–भटूरे, पराठा–अचार आदि)

सुबह–सुबह मसालेदार चीजें जैसे छोले–भटूरे, पराठा–अचार आदि खाने से बचना चाहिए, क्योंकि इनमें तेल और मसाले ज्यादा होते हैं। मसालेदार भोजन खाली पेट पचने में कठिनाई पैदा कर सकता है और एसिड बढ़ा सकता है। इससे एसिडिटी, गैस और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जो पूरे दिन को असहज बना सकती हैं।

कोल्ड ड्रिंक्स

कोल्ड ड्रिंक्स में कार्बोनेटेड सोडा होता है, जो पेट में जलन और गैस को बढ़ा सकता है। खाली पेट इन ड्रिंक्स को पीने से आंतों में समस्या हो सकती है, जिससे पेट में परेशानी हो सकती है। कोल्ड ड्रिंक्स का सेवन पेट के लिए हानिकारक हो सकता है और पाचन प्रक्रिया में बाधा डाल सकता है।

मीठा (चॉकलेट, केक आदि)

खाली पेट मीठी चीजें खाने से इंसुलिन लेवल असंतुलित हो सकता है और पेट में जलन हो सकती है। मीठी चीजों में थियोब्रोमाइन नामक तत्व होता है, जो पाचन में दिक्कत पैदा कर सकता है और गैस की समस्या बढ़ा सकता है। इसलिए सुबह–सुबह चॉकलेट, केक जैसे मीठे खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए।

लहसुन और प्याज

खाली पेट लहसुन और प्याज खाने से पेट में एसिडिटी बढ़ सकती है, क्योंकि इनमें ऐसे कंपाउंड होते हैं जो पेट के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इनका सेवन खाली पेट करने से एसिड बढ़ सकता है, जिससे पेट में जलन और गैस जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए इन खाद्य पदार्थों का सेवन नाश्ते के बाद करें।

कैसे होती है एसिडिटी? एसिडिटी एक पेट से जुड़ी समस्या है जिसमें पेट के एसिड का स्तर बढ़ जाता है। इससे सीने में जलन, खट्टी डकार और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यदि सही डाइट का ध्यान न रखा जाए, तो ये समस्या बढ़ सकती है। इसलिए, अपने नाश्ते में ऐसी चीजों का सेवन करें जो आपके पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद हों।

भारत में दूध और पनीर को कैल्शियम का प्रमुख स्रोत माना जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक ऐसी चीज भी है, जो दूध और पनीर से ज्यादा कैल्शियम से भरपूर होती है? वह चीज है तिल (मेंउम ममके)। तिल को अपनी डाइट में शामिल करने से न केवल कैल्शियम की भरपूर मात्रा मिलती है, बल्कि इसके और भी कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं। इसलिए अगली बार जब आप कैल्शियम की कमी महसूस करें, तो दूध और पनीर के साथ–साथ तिल का सेवन जरूर करें।

तिल में पाए जाने वाले पोषक तत्व

तिल में कैल्शियम की प्रचुर मात्रा होती है। 100 ग्राम तिल में लगभग 975 मिलीग्राम कैल्शियम पाया जाता है, जो दूध और पनीर से कहीं ज्यादा है। इसके अलावा, तिल में प्रोटीन, फाइबर, मैग्नीशियम, फास्फोरस, और आयरन भी भरपूर मात्रा में होते हैं, जो इसे एक बेहतरीन पोषण का स्रोत बनाते हैं।

तिल खाने के फायदे

हड्डियों को मजबूत बनाना

तिल में कैल्शियम की भरपूर मात्रा होती है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह हड्डियों की बनावट को बेहतर करता है और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों को होने से रोकता है। नियमित तिल का सेवन हड्डियों को लचीला और मजबूत बनाए रखता है।

दिल की सेहत

तिल में सेसमिन नामक एक यौगिक पाया जाता है, जो दिल के स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक है। यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करता है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है। तिल के सेवन से रक्त संचार भी बेहतर होता है, जिससे दिल की सेहत में सुधार होता है।

पाचन तंत्र को सुधारना

तिल में फाइबर की प्रचुर मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करता है। यह कब्ज, गैस और पेट की अन्य समस्याओं से राहत दिलाने में कारगर है। फाइबर की वजह से तिल शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में भी मदद करता है।

त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद

तिल का तेल त्वचा को नमी प्रदान करता है और उसे मुलायम तथा चमकदार बनाता है। इसके अलावा, यह बालों को मजबूत और घना बनाने में भी मदद करता है। तिल के तेल से सिर की त्वचा को मसाज करने से बालों का झड़ना कम होता है और उनका विकास तेजी से होता है।

एंटीऑक्सीडेंट गुण

तिल में एंटीऑक्सीडेंट तत्व होते हैं, जो शरीर को फ्री–रेडिकल्स से बचाते हैं और शरीर की कोशिकाओं को क्षति से बचाते हैं। यह बुढ़ापे के लक्षणों को कम करने में मदद करता है और त्वचा की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करता है।

तिल का सेवन कैसे करें?

कच्चा तिल

तिल को कच्चा खाया जा सकता है, जिससे सीधे कैल्शियम और अन्य महत्वपूर्ण पोषक तत्व मिलते हैं। कच्चा तिल शरीर में तुरंत अवशोषित होता है और हड्डियों की मजबूती के लिए बेहतरीन है। इसे सीधे खाने से आप ताजगी महसूस कर सकते हैं और ऊर्जा मिलती है।

भुना हुआ तिल

भुने हुए तिल का स्वाद और पोषण दोनों बढ़ जाते हैं। भुनने से तिल के तेल की गुणवत्ता भी बढ़ जाती है और यह पाचन के लिए अधिक फायदेमंद होता है। भुना तिल खाने से पेट हल्का महसूस होता है और यह ताजगी बनाए रखता है।

तिल का तेल

तिल का तेल न केवल त्वचा और बालों के लिए अच्छा होता है, बल्कि यह पाचन को भी सुधारता है। रोजाना खाना पकाने में तिल का तेल उपयोग करने से शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं, साथ ही यह त्वचा को निखारने में भी मदद करता है।

तिल के लड्डू

तिल के लड्डू एक लोकप्रिय और स्वादिष्ट मिठाई होती है, जिसे बनाने में भी आसान होती है। ये लड्डू कैल्शियम, आयरन और अन्य पोषक तत्वों का बेहतरीन स्रोत होते हैं। खासतौर पर सर्दियों में यह शरीर को गर्माहट प्रदान करते हैं।

तिल की चटनी और तिल पट्टी

तिल की चटनी और तिल पट्टी का सेवन कैल्शियम बढ़ाने और अन्य स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है। तिल की चटनी को रोटी, चपाती या किसी अन्य व्यंजन के साथ खाया जा सकता है, जिससे डाइट में स्वाद और पोषण दोनों बढ़ते हैं।

सलाद में तिल

सलाद में तिल का टॉपिंग डालने से उसकी पोषक क्षमता बढ़ जाती है, साथ ही यह स्वाद में भी इजाफा करता है। ताजे सलाद में तिल डालने से न केवल कैल्शियम का सेवन बढ़ता है, बल्कि यह त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद होता है।

तिल और अन्य खाद्य पदार्थों से तुलना

दूध और पनीर से कैल्शियम मिलने के बावजूद, तिल में कैल्शियम के अलावा कई अन्य पोषक तत्व भी होते हैं, जैसे प्रोटीन, आयरन, और फाइबर, जो इसे और भी अधिक लाभकारी बनाते हैं। खासकर लैक्टोज इंटॉलरेंस से परेशान लोगों के लिए, तिल एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है, क्योंकि इसमें दूध की तरह लैक्टोज नहीं होता।तिल एक बेहद पोषण से भरपूर खाद्य पदार्थ है, जिसे अपनी डाइट में शामिल करना शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इसके अद्भुत लाभ जैसे हड्डियों को मजबूत करना, दिल की सेहत को बनाए रखना, पाचन में सुधार, त्वचा और बालों की देखभाल, और एंटीऑक्सीडेंट गुण इसे एक बेहतरीन सुपरफूड बनाते हैं। अगली बार जब आप कैल्शियम की कमी महसूस करें, तो तिल को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

आजकल लोगों में खाने को लेकर ज्ञान की कमी है, वह अनजाने मे ऐसी चीजों का सेवन कर लते हैं जो आगे चलकर उनके लिए काफी मुश्किलें खड़ी कर सकता है। सर्दियों में कुछ सफेद खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है, विशेषकर उन लोगों के लिए जो कुछ खास स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त हैं। यहां कुछ सफेद खाद्य पदार्थ और उनके संभावित नुकसान के बारे में बताया गया है, जिसे अपने थाली से हटा देना ही सही रहेगा।

चीनी

चीनी का अधिक सेवन वजन बढ़ने, डायबिटीज, और इम्यूनिटी में कमी का कारण बन सकता है। ठंड में हमारा शरीर अधिक ऊर्जा की आवश्यकता महसूस करता है, जिससे लोग मीठा खाने की ओर अधिक आकर्षित होते हैं। लेकिन, यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। डायबिटीज के मरीज, हृदय रोग से पीड़ित लोग और वजन कम करने वाले व्यक्तियों को इसका सेवन नहीं करना चाहिए।

सफेद चावल

सफेद चावल में फाइबर की कमी होती है और इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक होता है, जिससे यह ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ाता है। डायबिटीज के मरीजों, वजन घटाने वाले और इंसुलिन प्रतिरोध वाले व्यक्तियों को सफेद चावल से बचना चाहिए।

मैदा

मैदा (सफेद आटा) में फाइबर और पोषक तत्व बहुत कम होते हैं। यह पेट में भारीपन, कब्ज और सूजन की समस्या पैदा कर सकता है। पाचन संबंधी समस्याओं से ग्रस्त लोग, डायबिटीज के मरीज, और जो वजन घटाने की प्रक्रिया में हैं, उन्हें मैदे से बने खाद्य पदार्थों का सेवन कम करना चाहिए।

नमक

सर्दियों में नमक का अधिक सेवन हृदय संबंधी समस्याओं, उच्च रक्तचाप और किडनी पर बुरा असर डाल सकता है। ठंड में नमक से पानी की कमी हो सकती है और सूजन की समस्या हो सकती है। उच्च रक्तचाप के मरीज और किडनी से जुड़ी समस्याओं वाले लोग नमक का सीमित सेवन करें।

डेयरी उत्पाद

ठंड में दूध या अन्य डेयरी उत्पाद ठंड और एलर्जी को बढ़ा सकते हैं, जिससे बलगम और सर्दी–खांसी की समस्या हो सकती है। इनसे पेट में भारीपन भी महसूस हो सकता है। जिन्हें सर्दी–खांसी, बलगम या एलर्जी की समस्या होती है, वे ठंड में डेयरी उत्पादों से बच सकते हैं। सफेद खाद्य पदार्थों के बजाय, आप साबुत अनाज, जौ, बाजरा, रंगीन फल और सब्जियां, और गुड़ जैसी चीजों का सेवन कर सकते हैं, जो सर्दियों में स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद साबित होते हैं।

आजकल खराब खानपान और गलत लाइफस्टाइल की वजह से कोलेस्ट्रॉल की समस्या आम हो गई है। बढ़ा हुआ खराब कोलेस्ट्रॉल (स्क्स) हार्ट की बीमारियों का कारण बन सकता है, जैसे हार्ट अटैक, कार्डियक अरेस्ट, और हार्ट फेलियर। इसीलिए, इसकी पहचान करना और इलाज करवाना बेहद जरूरी है। बताया कि बढ़े हुए बैड कोलेस्ट्रॉल के कुछ संकेत रात को दिख सकते हैं। अगर आप इनमें से कोई भी लक्षण महसूस करते हैं, तो इसे नजरअंदाज न करें और डॉक्टर से सलाह लें।

रात में दिखने वाले 5 संकेत

पैरों में ऐंठन और दर्द

रात को पैर में सूजन, ऐंठन या दर्द होना बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल का संकेत हो सकता है। यह इसलिए होता है क्योंकि खराब कोलेस्ट्रॉल ब्लड सर्कुलेशन को प्रभावित करता है, जिससे पैरों में दर्द होता है। अगर आपको रोज यह समस्या हो रही है तो कोलेस्ट्रॉल टेस्ट करवाना चाहिए।

सांस लेने में तकलीफ

अगर सोते वक्त या लेटे–लेटे सांस लेने में दिक्कत हो रही हो, तो यह भी कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का संकेत हो सकता है। खासतौर पर अगर आपने तला–भुना खाना नहीं खाया है और फिर भी यह समस्या हो रही है, तो इसे नजरअंदाज न करें।

पसीना आना

रात में खाना खाने के बाद अचानक पसीना आना भी कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का संकेत हो सकता है। अगर एसी या पंखे की हवा के बावजूद पसीना आ रहा है, तो इसे हल्के में न लें।

नींद न आना

अगर आप बिस्तर पर लेटे हुए घंटों तक सो नहीं पा रहे हैं, तो यह भी एक चेतावनी हो सकती है। बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल से ब्रेन को ऑक्सीजन की सप्लाई सही से नहीं हो पाती, जिसके कारण नींद में दिक्कत होती है।

पैरों का ठंडा होना

सर्दियों में पैर ठंडे होना आम है, लेकिन अगर आपके पैर हमेशा ठंडे रहते हैं, चाहे मौसम कैसा भी हो, तो यह कोलेस्ट्रॉल के बढ़े होने का संकेत हो सकता है।

बैड कोलेस्ट्रॉल कम करने के टिप्स

1. रोज 20–30 मिनट एक्सरसाइज या पैदल वॉक करें।
2. दिनभर में पर्याप्त पानी पिएं।
3. हर दिन किसी भी एक मील में सलाद शामिल करें।
4. वजन को बढ़ने से बचाएं और संतुलित आहार लें।
5. रिफाइंड तेल से बने खाने से बचें, और हल्का, ताजे खाने को प्राथमिकता दें।

इन संकेतों को नजरअंदाज करना आपकी सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है, इसलिए अगर आप इनमें से कोई भी लक्षण महसूस करें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

संक्षिप्त

क्या डीजीसीए की सख्ती से इंडिगो को बदलनी पड़ी रणनीति? एयरलाइन ने स्लॉट को लेकर किया बड़ा बदलाव

नई दिल्ली,एजेंसी।देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने घरेलू हवाई अड्डों पर 700 से अधिक स्लॉट खाली कर दिए हैं। यह कदम नागरिक उड्डयन महानिदेशालय द्वारा इंडिगो की शीतकालीन उड़ानों में 10 प्रतिशत कटौती के निर्देश के बाद उठाया गया है। सूत्रों के मुताबिक, इंडिगो ने कुल 717 स्लॉट छोड़े हैं। इनमें से 364 स्लॉट देश के छह प्रमुख महानगरों, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बंगलूरू और हैदराबाद के हैं। इनमें सबसे अधिक स्लॉट हैदराबाद और बंगलूरू से खाली किए गए हैं। छोड़े गए स्लॉट जनवरी से मार्च के बीच फैले हुए हैं, जिनमें मार्च में सबसे अधिक 361 स्लॉट शामिल हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अन्य एयरलाइनों से इन खाली स्लॉट पर उड़ान संचालन के लिए आवेदन मांगे हैं। मंत्रालय के अनुसार, इंडिगो ने यह स्लॉट उस समय छोड़े जब दिसंबर की शुरुआत में उसकी घरेलू उड़ानों में 10 प्रतिशत कटौती की गई थी। मंत्रालय के अनुसार, स्लॉट के पुनर्वितरण को लेकर गठित समिति की पहली बैठक 13 जनवरी को हुई थी। इसके बाद एयरलाइनों से उनकी प्राथमिकताओं और अनुरोधों को भेजने को कहा गया है। शर्तों के तहत, एयरलाइनों को अपने मौजूदा रूट बंद किए बिना ही खाली स्लॉट का उपयोग करना होगा। इंडिगो आम तौर पर रोजाना 2,200 से अधिक उड़ानें संचालित करती है। लेकिन डीजीसीए के निर्देश के बाद उसकी घरेलू उड़ानों की संख्या घटकर करीब 1,930 प्रतिदिन रह गई है। इससे पहले शीतकालीन कार्यक्रम में इंडिगो को प्रति सप्ताह 15,014 उड़ानों की अनुमति थी, जो औसतन 2,144 उड़ानें प्रतिदिन होती थीं। दिसंबर की शुरुआत में इंडिगो को भारी परिचालन संकट का सामना करना पड़ा था। 3 से 5 दिसंबर के बीच एयरलाइन ने 2,507 उड़ानें रद्द कीं और 1,852 उड़ानें विलंबित हुईं, जिससे देशभर में तीन लाख से अधिक यात्री प्रभावित हुए। इसके बाद डीजीसीए ने उड़ानों में कटौती का फैसला लिया। उड्डयन उद्योग के विशेषज्ञों का कहना है कि इंडिगो द्वारा छोड़े गए स्लॉट को अन्य एयरलाइनों द्वारा अस्थायी रूप से ही इस्तेमाल किया जा सकता है, क्योंकि मार्च के बाद ये स्लॉट वापस इंडिगो को मिल सकते हैं। कम समय के लिए नए रूट शुरू करना एयरलाइनों के लिए व्यावहारिक नहीं है। वहीं, कई स्लॉट देर रात या सुबह तड़के (रेड–आई फ्लाइट्स) के हैं, इसलिए अन्य एयरलाइनों की रुचि सीमित रह सकती है। डीजीसीए ने 17 जनवरी को दिसंबर में हुई उड़ान बाधाओं को लेकर इंडिगो पर कुल 22.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था और सीईओ पीटर एल्बर्स समेत वरिष्ठ अधिकारियों को चेतावनी दी थी। साथ ही, एयरलाइन को 50 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी जमा करने का निर्देश दिया गया। डीजीसीए के मुताबिक, उड़ानों में भारी व्यवधान का मुख्य कारण पर्याप्त फ्लाइट क्रू की कमी, नियामकीय तैयारी में कमजोरी, सॉफ्टवेयर सिस्टम की खामियां, प्रबंधन संरचना की कमजोरियां और संचालन नियंत्रण में कमी रही।

टैरिफ संकट के बीच केंद्र का बड़ा दांव, विनिर्माण बढ़ाकर 2035 तक निर्यात तीन गुना करने का लक्ष्य

वैश्विक अनिश्चितता और उच्च टैरिफ संकट के बीच भारत भारी खर्च करने के बजाय रणनीतिक बदलावों के जरिये विनिर्माण को बढ़ावा देकर 2035 तक देश के निर्यात को तीन गुना करने की योजना बना रहा है। दो सरकारी अधिकारियों ने बताया, इसके लिए प्रधानमंत्री की तीसरी ऐसी कोशिश में देश 15 क्षेत्रों में विनिर्माण को प्राथमिकता दे रहा है, जिसमें हाई–एंड सेमीकंडक्टर, मेटल और श्रम आधारित लेदर इंडस्ट्री शामिल हैं। इसका मकसद भारत की आर्थिक वृद्धि को बढ़ाना और माल निर्यात को सालाना 1.3 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचाना है। दरअसल, मोदी सरकार जीडीपी में विनिर्माण का हिस्सा दोगुना कर 25 फीसदी करने में दो बार नाकाम रही है। पहला...2014 में मेक इन इंडिया अभियान के जरिये और दूसरा... 2020 में 23 अरब डॉलर के प्रोत्साहन पैकेज के साथ। नीति निर्माताओं में शामिल एक अधिकारी ने बताया, पिछले कुछ वर्षों में सरकार की कई पहलों के बावजूद विनिर्माण में धीमी वृद्धि देखने को मिली है। अब तीसरी कोशिश में बदलाव लाने के लिए एक साहसिक, फोकस्ड और एकजुट रणनीति की जरूरत है। ब्यूरोधएजेंसी अधिकारियों ने बताया, सरकार ने योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए एक पैनल बनाया है, जिसका फोकस बड़ी परियोजनाओं के लिए तेज नियामकीय मंजूरी, जमीन और सस्ता फाइनेंस उपलब्ध कराने पर होगा। इस पैनल की अध्यक्षता एक मंत्री करेंगे, जिसमें कैबिनेट सचिव सहित नौकरशाह भी शामिल होंगे। विनिर्माण हब की पहचान मौजूदा इन्फ्रा, भौगोलिक फायदों और बंदरगाहों से नजदीकी के आधार पर की गई है। यह पैनल विनिर्माण हब के लिए सस्ती बिजली आपूर्ति कराने को राज्यों के साथ काम करेगा। अधिकारियों ने बताया, सरकार लक्षित क्षेत्रों में करीब 30 विनिर्माण हब के लिए बुनियादी ढांचा बनाने पर लगभग 100 अरब रुपये खर्च करेगी। वहीं, चिप्स और एनर्जी स्टोरेज जैसे एडवांस्ड एरिया के लिए 21.8 करोड़ डॉलर का ग्रांट देगी।

ईशान के दमदार प्रदर्शन से सैमसन पर बढ़ेगा दबाव, गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव की संभावना

गुवाहाटी,एजेंसी। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो मैच जीतकर पांच मैचों की सीरीज में 2–0 की बढ़त बना ली है। भारतीय टीम अब रविवार को गुवाहाटी में होने वाले तीसरे टी20 मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी। भारत के लिए राहत की बात यह है कि ईशान किशन और कप्तान सूर्यकुमार यादव टी20 विश्व कप से पहले लय में आ गए हैं। ईशान की दमदार पारी से हालांकि, सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन पर दबाव बढ़ेगा जो अब तक इस सीरीज में बड़ी पारी नहीं खेल सके हैं। टी20 विश्व कप को शुरू होने में अब कुछ दिन का ही समय शेष है और कुछ स्थान को छोड़ दिया जाए तो भारत की एकादश लगभग तय ही है। देखना दिलचस्प होगा कि इस वैश्विक टूर्नामेंट में अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज कौन उतरेगा। इसमें कोई शक नहीं है कि सैमसन इसके लिए पहली पसंद हैं, लेकिन जिस तरह वह संघर्ष कर रहे हैं उसे देखते हुए सैमसन पर प्रदर्शन करने का दबाव लगातार बढ़ रहा है।

भारत बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। केवल कुछ स्थान को लेकर ही टीम चिंतित होगी जिनमें से एक स्थान फिलहाल सैमसन के पास है। ईशान की 32 गेंदों पर खेली गई शानदार 76 रनों की पारी ने संजू पर दबाव बढ़ा दिया है। टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल की जगह अभिषेक के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में बहाल किए गए सैमसन मौकों का पूरा फायदा उठाने में नाकाम रहे हैं, जबकि उन्हें काफी मैच खेलने का मौका मिला है। गिल तकनीकी रूप से मजबूत होने के बावजूद टी20 मैचों में कोई खास प्रभाव नहीं डाल पाए थे और इसलिए संजू को अंतिम एकादश में शामिल करने के साहसिक फैसले के तहत उन्हें बाहर कर दिया गया। लेकिन अपने पसंदीदा बल्लेबाजी क्रम में वापसी करने पर केरल का यह विकेटकीपर बल्लेबाज अभी तक उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है। ऐसे में यह सीरीज उनके लिए निर्णायक साबित हो सकती है। तेज गेंदबाजों के सामने उनकी कमजोरी एक बार फिर उजागर हो गई है। ओपनरों के सस्ते में आउट होने के बावजूद अन्य बल्लेबाजों ने मोर्चा संभाला। इससे पता चलता है कि भारत का बल्लेबाजी क्रम कितना मजबूत है। पिछले मैच में सलामी बल्लेबाज अभिषेक पहली गेंद पर आउट हो गए थे और वह तीसरे मैच में बड़ी पारी खेलने की कोशिश करेंगे। सैमसन और अभिषेक की जल्दी आउट होने के कारण भारत का स्कोर एक समय दो विकेट पर छह रन था इसके बाद ईशन ने तूफानी पारी खेली। उन्होंने केवल 21 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया जिससे भारत 28 गेंद शेष रहते हुए मैच जीतने में सफल रहा। वहीं, शिवम दुबे ने भी बल्ले से सूर्यकुमार का अच्छा साथ दिया था। भारत के लिए चिंता की बात अक्षर पटेल की चोट है। भारत को उम्मीद होगी कि विश्व कप से पहले अक्षर पटेल की उंगली की चोट गंभीर न हो और उन्हें खेलने का अधिक समय मिले। अक्षर अगर फिट रहे तो उन्हें एकादश में शामिल किया जा सकता है। इस स्थिति में कुलदीप यादव को बाहर बैठना पड़ सकता है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दूसरे मैच में आराम दिया गया था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम का एलान

मुंबई,एजेंसी। भारतीय महिला चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेले जाने वाले एकमात्र टेस्ट के लिए भारतीय टीम का एलान कर दिया है। चयन समिति ने 15 सदस्यीय टीम का एलान किया, जिसमें स्टार खिलाड़ियों भरे हुए हैं। साथ ही टीम में स्टार ओपनर प्रतिका रावल की भी वापसी हुई है, जो पिछले काफी समय से पैर में चोट की वजह से बाहर हैं। प्रतिका को विश्व कप के दौरान चोट लगी थी और इसके बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर रही हैं, लेकिन टेस्ट से वह वापसी करने जा रही हैं। उन्हें दौरे पर वनडे और टी20 टीम में जगह नहीं मिली है। यह देखने वाली बात होगी कि प्रतिका और शेफाली में से टेस्ट में किसे ओपनिंग का मौका मिलता है।

यह चार दिवसीय टेस्ट मैच पर्थ के मैदान पर छह से नौ मार्च तक खेला जाएगा। टीम की कमान हरमनप्रीत कौर ही संभालेंगी। वहीं, स्मृति मंधाना उपकप्तान होंगी। यह टेस्ट मैच भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के आखिरी में खेला जाएगा। इस दौरे की शुरुआत फरवरी के मध्य में होगी। इसके बाद सीमित ओवरों के प्रारूप के छह मुकाबले खेले जाएंगे। सीरीज की शुरुआत तीन टी20 मैचों से होगी, फिर तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। दौरे का पहला मुकाबला सिडनी में 15 फरवरी को टी20 के रूप में खेला जाएगा।

भारतीय महिला टेस्ट टीम इस प्रकार है– हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, अमनजोत कौर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री, प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, रेणुका ठाकुर, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे।

विकेटकीपर गुनालन कमालिनी दौरे से बाहर हो चुकी हैं। उनकी जगह तीनों प्रारूपों मेंउमा छेत्री को मौका दिया गया है। भारतीय महिला टीम ने अपने पिछले टेस्ट मैच में 2024 में दक्षिण अफ्रीका को चेन्नई में 10 विकेट से हराया था। भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछला टेस्ट दिसंबर 2023 में खेला था। वानखेड़े में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने आठ विकेट से जीत दर्ज की थी। छेत्री अभी तक टेस्ट डेब्यू नहीं कर पाई हैं, जबकि ऋचा घोष दो टेस्ट मैच खेल चुकी हैं। घोष का पिछला टेस्ट दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ था, जिसमें उन्होंने विकेटकीपर की भूमिका निभाई थी।

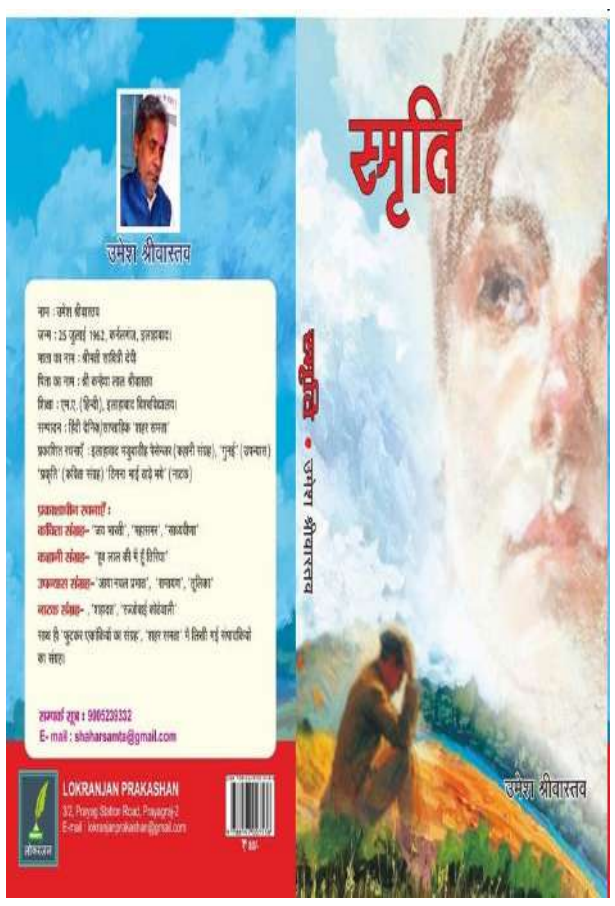

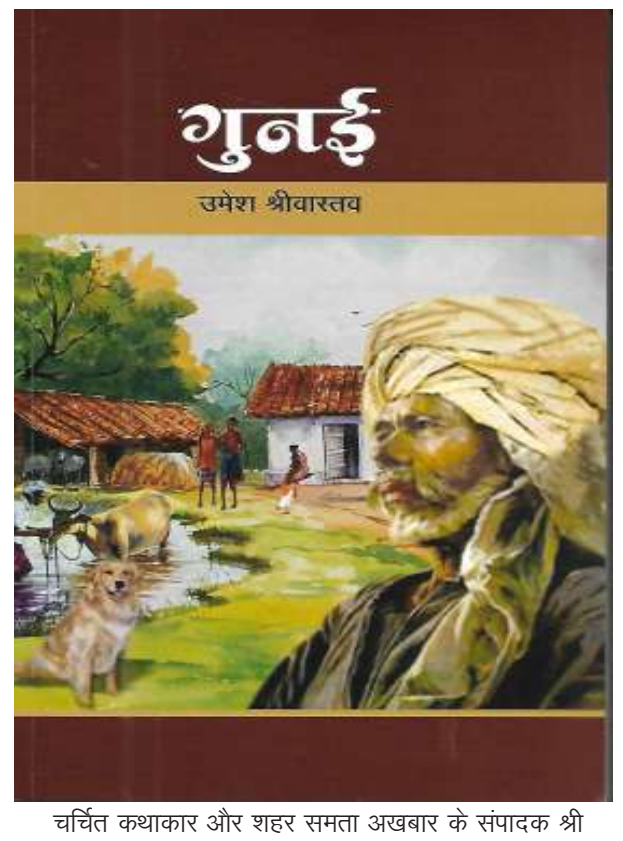

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

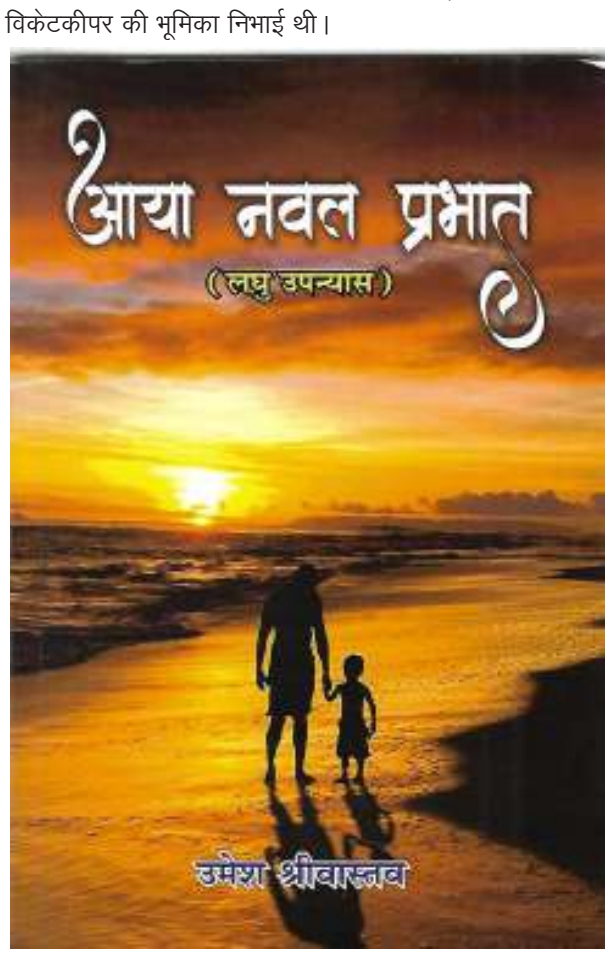

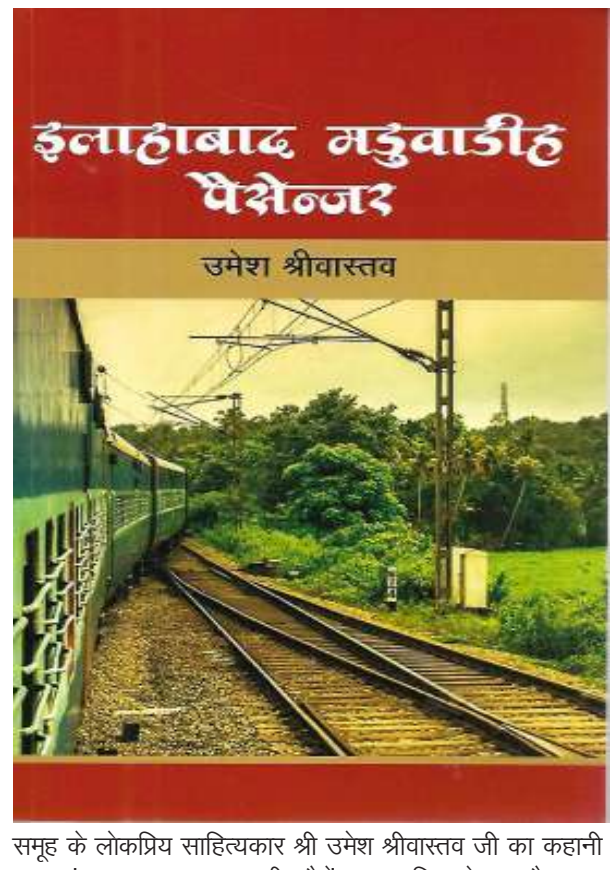

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

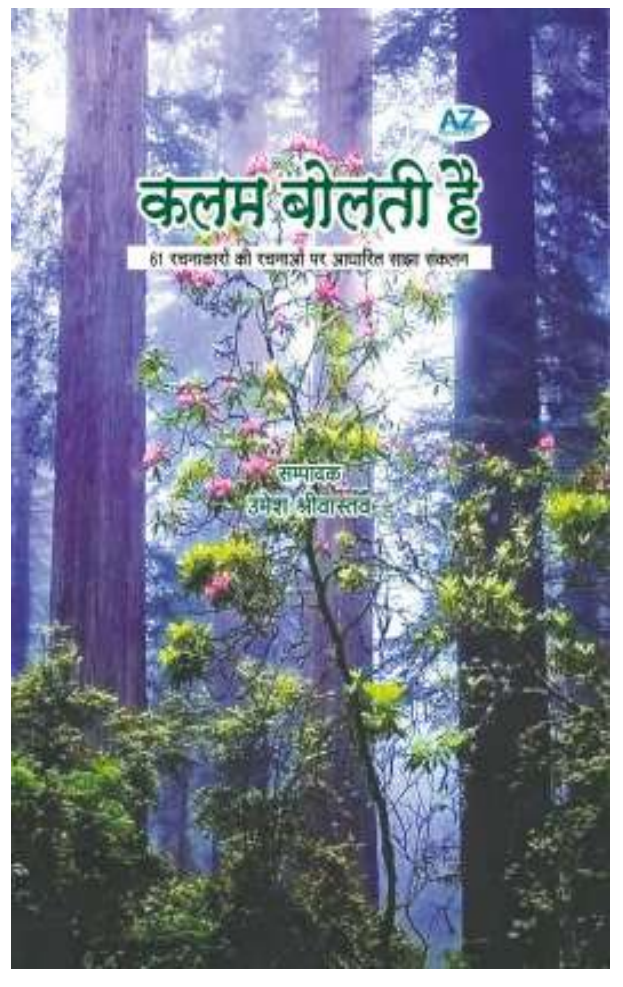

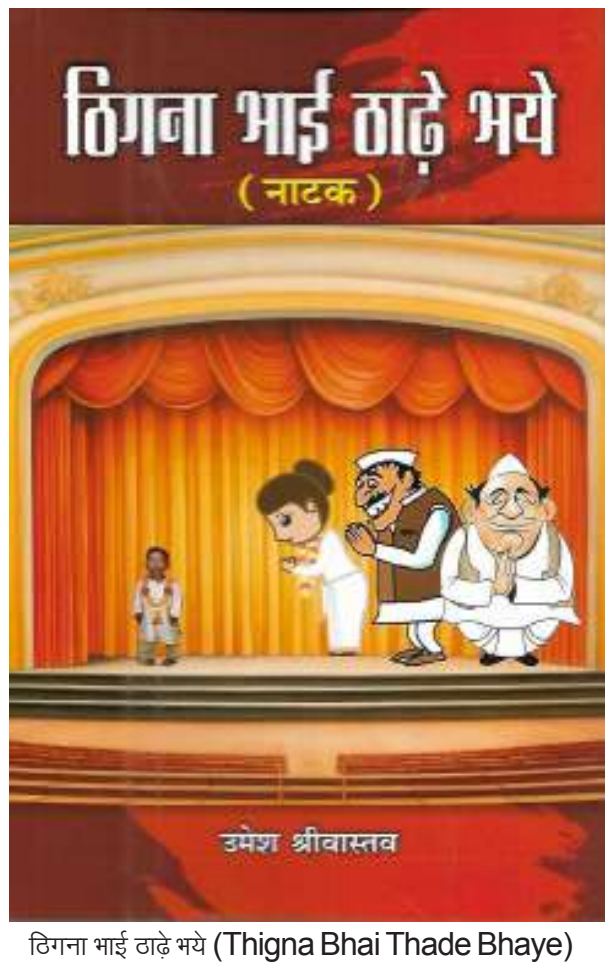

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

नाचते-नाचते ट्रंप भारत से टैरिफ हटाने पर लेने वाले हैं बड़ा फैसला! अमेरिकी वित्त मंत्री ने दिए संकेत

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों कई मोर्चों पर घिरे हुए हैं और वक्त के साथ उनकी मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। वजह है उनके फैसले। इस बीच अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसन ने भारत पर लगाए गए 25: टेरिफ को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत पर लगाया गया यह टेरिफ अमेरिका के लिए काफी सफल रहा है। बेसेंट के मुताबिक इस टेरिफ के बाद भारत की ओर से रूस से तेल की खरीद में भारी

गिरावट आई है। फिलहाल यह टेरिफ लागू है। लेकिन अमेरिका इसे स्थाई नहीं मानता। स्कॉट बेस ने संकेत दिया कि आने वाले वक्त में भारत पर लगाया गया 25: टेरिफ हटाया भी जा सकता है। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि अब इसे हटाने का एक रास्ता बन सकता है। यानी अगर हालात अनुकूल रहे और बातचीत आगे बढ़ी तो अमेरिका भारत को टेरिफ में राहत दे सकता है। यह बयान ऐसे वक्त पर आया है जब वैश्विक स्तर पर तेल व्यापार और रूस से जुड़े प्रतिबंधों को लेकर लगातार चर्चा चल रही है। अमेरिका ने भारत से आने वाले कई सामानों पर फिलहाल कुल मिलाकर 50: तक का टेरिफ लगा रखा है। इसमें से करीब 25: सामान्य टेरिफ है जो भारत के लगभग 55: निर्यात पर लागू होता है। इसके अलावा अगस्त 2025 से एक अतिरिक्त 25: ऑयल से जुड़ा पेनल्टी टेरिफ लगाया गया जो रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर दबाव बनाने के लिए है। रूस के तेल को लेकर अमेरिका ळ7 और यूरोपीय देशों ने एक प्राइस कैप सिस्टम भी लागू किया है। जनवरी 2026 तक यह कैप लगभग 47.7 प्रति बैरल है। जिसे 1 फरवरी 2026 से घटाकर 44.10 किया जाएगा। नियम यह है कि अगर रूसी तेल तय कीमत से ऊपर बेचा गया तो उस पर बीमा, शिपिंग और फाइनेंस जैसी सेवाएं नहीं दी जाएंगी। उधर अमेरिका का दावा है कि इस दबाव के बाद भारत ने रूसी तेल की खरीद कम कर दी है। वहीं भारत का कहना है कि अपनी ऊर्जा, जरूरतें, राष्ट्रीय हित और किफायती दामों के आधार पर तय करता है। भारत साफ कर चुका है कि वो किसी के दबाव में आकर कोई कदम नहीं उठाएगा।

घरेलू कलह में भारतीय परिवार का 'खूनी अंत', 4 की हत्या, Closet में छिपे मिले बच्चे

अमेरिका में घरेलू विवाद से जुड़े एक मामले में चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस का मानना घ्छै कि यह घटना इसी विवाद से जुड़ी है। स्थानीय रिपोर्टों में पीड़ितों की राष्ट्रीयता की पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन अटलांटा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने बताया कि मृतकों में से एक भारतीय नागरिक था। यह घटना अटलांटा के लॉरेंसविले स्थित ग्विनेट काउंटी में घटी। संदिग्ध की पहचान 51 वर्षीय विजय कुमार के रूप में हुई है और गोलीबारी में मारे गए लोगों में उनकी पत्नी 43 वर्षीय मीमू डोगरा भी शामिल थीं। उनके अलावा, अन्य पीड़ितों की पहचान 33 वर्षीय गौरव कुमार, 37 वर्षीय निधि चंदर और 38 वर्षीय हरीश चंदर के रूप में हुई है। नामों के आधार पर, पीड़ित भारतीय मूल के प्रतीत होते हैं। हालांकि, केवल एक व्यक्ति की राष्ट्रीयता की आधिकारिक पुष्टि की गई है। ग्विनेट काउंटी पुलिस के अनुसार, विजय कुमार और उनकी पत्नी मीमू डोगरा अटलांटा के निवासी थे और अपने 12 वर्षीय बच्चे के साथ ब्रूक आइवी कोर्ट स्थित अपने रिश्तेदारों गौरव, निधि और हरीश के घर गए थे। जांच में पता चला कि रिश्तेदारों के घर जाने से पहले दंपति का अटलांटा स्थित अपने घर पर झगड़ा हुआ था। गौरव, निधि और हरीश ब्रूक आइवी कोर्ट में अपने दो बच्चों (उम्र 7 और 9 वर्ष) के साथ रहते थे। इस बीच, अटलांटा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने यह स्पष्ट नहीं किया कि पीड़ितों में से कौन भारतीय था। दूतावास ने कहा कि एक कथित पारिवारिक विवाद से जुड़ी इस दुखद गोलीबारी की घटना से हम बेहद दुखी हैं, जिसमें एक भारतीय नागरिक भी पीड़ित है। कथित हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है और पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। जांच में यह भी पता चला कि जब पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे तो 12, 7 और 9 वर्ष की आयु के तीन बच्चे अलमारी के अंदर छिपे हुए थे। बच्चे अपनी सुरक्षा के लिए छिपे हुए थे और संदिग्ध के 12 वर्षीय बेटे ने ही 911 पर कॉल किया था, जिसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, जहां उन्हें चार लोग मृत मिले। स्थानीय पुलिस ने कहा कि फिलहाल कोई संदिग्ध फरार नहीं है। हत्या के मकसद की जांच जारी है, लेकिन यह घरेलू विवाद से जुड़ा प्रतीत होता है। किसी का नाम लिए बिना, स्थानीय पुलिस ने बताया कि एक संदिग्ध को घर से कुछ दूरी पर ढूंढकर हिरासत में ले लिया गया है। खबरों के अनुसार, विजय कुमार पर हत्या, गंभीर मारपीट और बच्चों के साथ क्रूरता के आरोप लगाए गए हैं।

पेंगुइन के साथ ग्रीनलैंड चले गए ट्रंप! एक Meme ने कैसे उड़ाई पूरे यूरोप की नींद

अमेरिका ने एक बार फिर ग्रीनलैंड की ओर अपना ध्यान केंद्रित किया है, इस बार आधिकारिक बयानों के माध्यम से नहीं, बल्कि एक वायरल मीम के जरिए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप डेनमार्क से ग्रीनलैंड हासिल करने की अपनी इच्छा बार-बार जाहिर की है। लेकिन इस बार ट्रंप व्यापक रूप से साझा किए जा रहे निहिलिस्ट पेंगुइन मीम के ऑनलाइन ट्रेंड में शामिल हो गए हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

780 मिलियन की ऑयल डील डन! भारत करेगा ब्राजील के साथ मिलकर बड़ा धमाका

भारत ने फिर से यह एक बार साबित कर दिया है कि भारत अपने फैसले अपने नागरिकों के हित में लेता है। बिना किसी के दबाव में आए। दुनिया भर में ट्रंप की धमकियों के बीच अब भारत ने इस ब्रिक्स देश के साथ करने जा रहा है एक बड़ा समझौता। भारत ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े कई बड़े अंतरराष्ट्रीय समझौते अगले हफ्ते करने जा रहा है। जहां भारत ऊर्जा सप्ताह के मंच पर तेल और गैस से जुड़े अहम करार किए जाएंगे। जिनका सीध ाा असर देश की ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक साझेदारी पर पड़ेगा। तेल मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि भारत एनर्जी वीक के दौरान भारत और ब्राजील की सरकारी तेल कंपनियों के बीच एक बड़ा कच्चे तेल का समझौता होने जा रहा है। इसके तहत भारत की ओर से भारत पेट्रोलियम और ब्राजील की ओर से पेट्रोल ब्रास के बीच 780 मिलियन का करार होगा। इस समझौते के तहत भारत पेट्रोलियम आने वाले वित्तीय वर्ष में ब्राजील से 12 मिलियन बैरल कच्चा तेल खरीदेगी।

आपको बता दें यह मात्रा पिछले साल फरवरी में हुए समझौते से दोगुनी है। उस वक्त 6 मिलियन बैरल की सप्लाई तय हुई थी जिसे अब बढ़ाकर 12 मिलियन बैरल करने का इरादा है। तेल मंत्री ने यह भी कहा कि वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार स्थिर बना हुआ है। इसके अनुसार दुनिया में कई बदलावों के बाद भी कच्चे तेल की कीमतें ना तो बहुत ज्यादा नीचे गई हैं और ना ही बहुत ज्यादा ऊपर। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि आने वाले समय में ऊर्जा की कोई भी कमी उन्हें नजर नहीं आ रही है। यानी भारत की ऊर्जा आवश्यकता में अभी कोई कमी नहीं है। हरदीप पुरी ने बताया कि पश्चिमी गोलार्ध से नई ऊर्जा आपूर्ति बाजार में आने से स्थिरता बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि गुयाना, सुरीनाम और ब्राजील जैसे देशों ने अगर लगातार ऊर्जा की सप्लाई वैश्विक बाजार में आती रहेगी तो कीमतें संतुलित बनी रहेंगी। उनके मुताबिक तेल उपभोक्ता और तेल उत्पादक देशों को आमने-सामने खड़ा करना पुरानी सोच है क्योंकि दोनों की रुचि एक है। मजबूत और भरोसेमंद ऊर्जा व्यवस्था। आप खुद सुनिए इन सारी डील्स को लेकर तेल मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने क्या कुछ बताया है। भारत ऊर्जा सप्ताह के दौरान केवल तेल ही नहीं बल्कि गैस और स्वच्छ ईंधन से जुड़े समझौते भी करेगा। सरकारी कंपनी ऑयल इंडिया और उसका नवरत्न इकाई नुमालीगढ़ रिफाइनरी फ्रांस की टोटल एनर्जीस के साथ एलएनजी की आपूर्ति को लेकर एक प्रारंभिक समझौता भी करेगी।

सुनो 'हिटलर' मुंहतोड़ जवाब मिलेगा! ये आदमी बीमार इसकी सत्ता खत्म करेंगे!

अबकी बार ईरान पर डोनाल्ड ट्रंप का अटैक प्लान क्या फाइनल है। ईरान के साथ जंगी तनातनी के बीच अमेरिकी सेना की यह तैयारियां सामने आई हैं। 24 घंटे पहले मिडिल ईस्ट यूएसएस अब्राहम लिंकन पहुंचा। यूएस मिलिट्री बेस पर रेडी बी टू बॉम्बर्स का बेड़ा, एफ1-15 ई से एफ-35 तक मौजूद हैं। ईरान पर अमेरिका के अटैक का प्लान का यह ब्रीफ ट्रेलर है। अमेरिका का दावा है कि इनमें से किसी का तोड़ ना तो ईरान की नेवी के पास है और ना ही वायु सेना के पास। सबसे पहले खामनेई जिन्हें अमेरिकी हमले को देखते हुए सीक्रेट बंकर में भेजा जा चुका है। खामनेई ईरान के किस हिस्से में है यह सिर्फ रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के टॉप कमांडर्स को ही पता होता है। इसकी भनक ना तो अमेरिका को है और ना ही ईरान में एक्टिव इजरायली खुफिया एजेंसियों को।

बंकर में जाने से पहले खामनेई ने सिर्फ आर्मी कमांडर्स को ही आगे नहीं किया बल्कि अमेरिकी हमले का जवाब देने के लिए पूरी सुप्रीम डिफेंस काउंसिल को भी एक्टिव कर दिया। इसमें सेना के साथ जंगी रणनीति के जानकार और राजनयिक भी शामिल हैं। खामनेई के आर्डर पर इन कमांडर्स का दावा है कि इस बार जंग हुई तो इसे कोई रोक नहीं पाएगा।

ट्रंप को अब की बार हमले की पूरी कीमत चुकानी पड़ेगी। खलीफा के कमांडर की धमकी भी सामने आई है। उसने कहा कि हिटलर की तरह ट्रंप का अंत होगा। ईरानी मीडिया के मुताबिक ट्रंप को सीधी धमकी देने वाला यह कमांडर ईरान की सबसे बड़ी और सबसे घातक सेना रिवोल्यूशनरी गार्ड्स का टॉप कमांडर है जो खामई के बंकर में जाने के बाद मीडिया के सामने आया।

Iman Mazari की गिरफ्तारी से Pakistan में बवाल, वकीलों ने दी बड़े Protest की चेतावनी

बलूचिस्तान पोस्ट (टीबीपी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, मानवाधिकार कार्यकर्ता और वकील ईमान जैनब मजारी-हाजिर और उनके पति हादी अली चत्था को शुक्रवार को इस्लामाबाद में उस समय हिरासत में लिया गया जब वे कथित तौर पर अदालत में सुनवाई के लिए जा रहे थे। उनके परिवार ने यह जानकारी दी। ईमान की मां, पूर्व संघीय मंत्री शिरीन मजारी ने ट्विटर पर कई पोस्ट में बताया कि पुलिस अधिकारियों ने दंपति को रोका और हिरासत में ले लिया। उन्होंने कहा कि उन्हें अलग-अलग वाहनों में बिठाकर अज्ञात स्थानों पर ले जाया गया। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस ने कोई प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज नहीं की और बार एसोसिएशन के सदस्य ष्दुर्भाग्य से कुछ नहीं कर सके। गिरफ्तारी को फासीवाद का चरम बताते हुए उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोग ष्इस उपलब्धि से बहुत खुश होंगे।

गिरफ्तारी से बचने के लिए ईमान और हादी ने इस्लामाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन (आईएचसीबीए) के अध्यक्ष वाजिद अली गिलानी के कार्यालय में लगातार दो रातें बिताईं। गिरफ्तारी के समय ईमान के साथ मौजूद गिलानी ने दावा किया कि अधिकारियों ने भरोसा दिलाया था कि अदालत में पेशी के लिए जाते समय दंपति को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। आईएचसीबीए अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि पुलिस ने दंपति के साथ हिंसा की और वाहनों की खिड़कियां तोड़ दीं जिससे ईमान और हादी को कार से बाहर निकलने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि पुलिस अधि ाकारियों ने (आईएचसीबीए) सचिव मंजूर जज्जा को भी ध ाक्का दिया और उनके साथ भी हिंसा की। गिलानी ने विरोध ा-प्रदर्शन की चेतावनी देते हुए

कहा, 'अधिकारियों को दमन बंद करना चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो 2007 की तरह का वकीलों का आंदोलन फिर से शुरू किया जाएगा।

आईएचसीबीए, इस्लामाबाद बार एसोसिएशन (आईबीए) और इस्लामाबाद बार काउंसिल (आईबीसी) ने अलग-अलग बयान जारी कर ईमान और हादी की गिरफ्तारी की निंदा की। आईएचसीबीए और आईबीए ने शुक्रवार को हड़ताल की घोषणा की, जबकि आईबीसी ने वकीलों से शनिवार को हड़ताल करने का आह्वान किया। दंपति के खिलाफ एक विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़ा यह मामला इस्लामाबाद स्थित राष्ट्रीय साइबर अपराध जांच एजेंसी (एनसीसीआईए) में 12 अगस्त 2025 को दर्ज कराई गई शिकायत पर आधारित है। उन पर पिछले साल 30 अक्टूबर को इस मामले में आरोप तय किए गए थे। एनसीसीआईए में दर्ज शिकायत में ईमान पर 'शत्रुतापूर्ण आतंकवादी समूहों और प्रतिबंधित संगठनों से मेल खाने वाले विमर्श का प्रचार करने', जबकि उनके पति पर उनके कुछ पोस्ट को दोबारा पोस्ट करने का आरोप लगाया गया है।

Karachi में 'Cold Wave' का अलर्ट! Pakistan मौसम विभाग की चेतावनी- पारा 7 डिग्री तक गिरेगा

पाकिस्तान मौसम विभाग (पीएमडी) ने चेतावनी दी है कि सप्ताहांत में कराची में तापमान एकल अंक तक गिर सकता है, और शहर में ठंड और शुष्क मौसम के साथ-साथ रुक-रुक कर हवाएं चलने की संभावना है। डॉन अखबार ने यह जानकारी दी है। गुरुवार दोपहर को पश्चिमी हवाओं के प्रभाव से कराची में शीतकालीन वर्षा का दूसरा दौर शुरू हुआ, जिसके परिणामस्वरूप कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। बारिश के बाद तेज हवाएं चलीं, जिससे तापमान और गिर गया और ठंड और बढ़ गई। पीएमडी के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, शनिवार को शहर का न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है और रविवार को यह और गिरकर 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। डॉन अखबार के अनुसार, सोमवार रात को न्यूनतम तापमान में थोड़ी वृद्धि होने का अनुमान है, जो 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। इस बीच, कराची में शनिवार और रविवार को अधिकतम तापमान 19°C से 21°C के बीच रहने की उम्मीद है, जो सोमवार को बढ़कर 20°C से 22°C के बीच हो जाएगा। मौसम विभाग ने पूर्वानुमान लगाया है कि अगले तीन दिनों में सुबह के समय आर्द्रता का स्तर 40 से 55 प्रतिशत के बीच रहने की संभावना है, जबकि रात के समय आर्द्रता घटकर 10 से 25 प्रतिशत के बीच हो सकती है। डॉन अखबार के अनुसार, पीएमडी ने बताया कि सोमवार तक उत्तर-पूर्व से पूर्वी दिशा की हवाएं चलती रहेंगी। इसके अलावा, मौसम विभाग ने शुक्रवार को देश के कई हिस्सों में रविवार रात से मंगलवार तक अतिरिक्त बारिश और बर्फबारी का पूर्वानुमान लगाया है, जिसके चलते दिन के तापमान में गिरावट आने की संभावना है।

America बना 'बर्फिस्तान'! भीषण तूफान से थमी जिंदगी, 8000 से ज्यादा Flights रद्द

अमेरिका भर में सप्ताहांत में उड़ान भरने वाली 8,000 से अधि ाक उड़ानें रद्द कर दी गई हैं क्योंकि एक भीषण तूफान देश के अधि ाकांश हिस्सों में तबाही मचाने की आशंका है, जिससे कई दिनों तक बिजली गुल रहने और प्रमुख सड़कों पर यातायात बाधित होने का खतरा है। न्यू मैक्सिको से लेकर न्यू इंग्लैंड तक फैले क्षेत्र में लगभग 14 करोड़ लोगों को शीतकालीन तूफान की चेतावनी जारी की गई है। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने व्यापक भारी हिमपात और पूर्वी टेक्सास से उत्तरी कैरोलिना तक फैली बर्फ की एक खतरनाक पट्टी की चेतावनी जारी की है, साथ ही मौसम विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि बर्फ से होने वाला नुकसान तूफान के स्तर की तबाही के बराबर हो सकता है। टेक्सास के कुछ हिस्सों में बर्फीली बारिश और ओले गिरने लगे थे, जबकि ओक्लाहोमा में भी बर्फ और ओले गिरे। दक्षिण में तबाही मचाने के बाद, तूफान के पूर्वोत्तर की ओर बढ़ने का अनुमान था, जिससे वाशिंगटन से लेकर न्यूयॉर्क और बोस्टन

तक एक फुट (30 सेंटीमीटर) तक बर्फबारी हो सकती थी। एक दर्जन से अधिक राज्यों के राज्यपालों ने आपातकाल की घोषणा की या निवासियों से घर के अंदर रहने का आग्रह किया। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने कहा कि राज्य का परिवहन विभाग सड़कों पर बर्फ से बचाव के उपाय कर रहा है और लोगों को सलाह दी कि यदि संभव हो तो घर पर ही रहें। फ्लाइटअवेयर के अनुसार, शनिवार को 3,400 से अधिक उड़ानें विलंबित या रद्द हुईं, और रविवार को 5,000 से अधिक उड़ानें रद्द होने की सूचना मिली। एंजेला एक्सस्ट्रॉम जैसी यात्रियों को, जिनकी ह्यूस्टन से ओमाहा जाने वाली उड़ान रद्द हो गई थी, अपना मार्ग बदलना पड़ा, जिससे तूफान के कारण व्यापक यात्रा व्यवधान उजागर होता है। उन्होंने कहा, यदि आप मिडवेस्ट में रहते हैं और सर्दियों में यात्रा करते हैं, तो कुछ भी हो सकता है। फ्लाइटअवेयर के अनुसार, शनिवार को 3,400 से अधिक उड़ानें विलंबित या रद्द हुईं, और रविवार को 5,000 से अधिक उड़ानें रद्द होने की सूचना मिली। एंजेला एक्सस्ट्रॉम जैसी यात्रियों को, जिनकी ह्यूस्टन से ओमाहा जाने वाली उड़ान रद्द हो गई थी, अपना मार्ग बदलना पड़ा, जिससे तूफान के कारण व्यापक यात्रा व्यवधान उजागर होता है। उन्होंने कहा कि यदि आप मिडवेस्ट में रहते हैं और सर्दियों में यात्रा करते हैं, तो कुछ भी हो सकता है। बिजली कंपनियां व्यापक बिजली कटौती की तैयारी कर रही थीं, क्योंकि बर्फ से ढके पेड़ और बिजली की लाइनें तूफान गुजरने के बाद भी गिरती रह सकती हैं। हवा की ठंडक के कारण तापमान गिरकर माइनस 40°F (माइनस 40°C) तक पहुंच गया, जिससे मात्र 10 मिनट में ही पाला पड़ने का खतरा पैदा हो गया। उत्तरी डकोटा के बिस्मार्क में अपने कार्यस्थल पर एक अपार्टमेंट खाली करते समय निवासी कॉलिन क्रॉस ने भारी ठंड के कपड़े पहने हुए थे, जहां हवा की ठंडक माइनस 41°F (माइनस 41°C) तक पहुंच गई थी। क्रॉस ने कहा मैं यहां काफी समय से हूं और मेरा दिमाग काम करना बंद कर चुका है।

Iran में प्रदर्शन पर बड़ा खुलासा, मौतें हुई, लेकिन खामेनेई के दूत ने Sanctions को जिम्मेदार ठहराया

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के एक सहयोगी ने भारत की ओर से दुर्लभ रूप से यह स्वीकार किया कि ईरान में व्यापक विरोध प्रदर्शनों में लोग मारे गए थे, लेकिन बड़े पैमाने पर राज्य हिंसा के दावों को खारिज करते हुए, रिपोर्ट किए गए आंकड़ों को फर्जी और विदेशी हितों से प्रेरित बताया। ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई के प्रतिनिधि अब्दुल माजिद हकीम इलाही ने उम्मीद जताई कि ईरान और व्यापक क्षेत्र में स्थिति में सुध ाार होगा, जबकि उन्होंने देश के आर्थिक संकट के लिए प्रतिबंधों को जिम्मेदार ठहराया। दरअसल, हम आशा करते हैं कि स्थिति सुध ारेगी। हम शांति और सुरक्षा चाहते हैं, लेकिन कुछ लोग ऐसा नहीं चाहते क्योंकि कुछ लोगों द्वारा पैदा किया गया यह संकट और समस्या पूरे क्षेत्र, मध्य पूर्व को जला रही है और सभी देश इससे प्रभावित होंगे। हम आशा करते हैं कि सब कुछ शांत हो जाएगा और शांति एवं सुरक्षा का माहौल बनेगा। इलाही ने कहा कि ईरान की आर्थिक चुनौतियाँ मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण हैं और उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार जनता की शिकायतों के समाधान के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि दरअसल, सरकार को जनता की मांग सुननी चाहिए और वे समस्या का समाध ाान करेंगे। राष्ट्रपति ने भी घोषणा की है कि हम जनता की बात सुन रहे हैं और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए यथासंभव प्रयास करेंगे। वे ऐसा करने की कोशिश भी कर रहे हैं, लेकिन कुछ चीजें उनके हाथ में नहीं हैं क्योंकि इस समस्या का अधिकांश हिस्सा विदेशों से, दूसरे लोगों से, ईरान पर लगाए गए गैर-कानूनी प्रतिबंधों से आता है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।